वर्ष : 17 ❖ अंक : 83 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
गुरुवार, 27 अक्टूबर 2022

सोनिया और राहुल पार्टी के नेता थे और रहेंगे : सचिन पायलट 3

नोटों पर छापी जाए लक्ष्मी, गणेश की तस्वीर : केजरीवाल 8

मादक पदार्थों को लेकर डाटा एंट्री में गड़बड़ी, पुलिस ने शुरु की जांच

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 26 अक्टूबर । सिक्किम में मादक तस्करी के रिकॉर्ड में पुलिस की भारी गफलती सामने आयी है। ऐसे में राज्य पुलिस के डाटा संग्रह को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार सिक्किम पुलिस द्वारा हर वर्ष नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) के पास राज्य में जब्त किये गये ड्रग्स की रिपोर्ट भेजनी पड़ती है। इसमें देखा गया है कि वित्त वर्ष 2018-2020 के दौरान राज्य में जब्त की गयी हेरोइन में 2017 की तुलना में 15000 किग्रा की असामान्य वृद्धि आयी है।

राज्य पुलिस के रिकॉर्ड के अनुसार 2017 में राज्य में एक किग्रा. भी हेरोइन नहीं पकड़ी गयी थी। रिकॉर्ड के अनुसार 2019 में फिर एक किग्रा भी हेराइन नहीं पकड़ी गयी और उसके बाद 2020 में 20,000 किग्रा हेरोइन जब्ती की गयी। यह साफ तौर पर रिकॉर्ड्स के आंकड़ों में गड़बड़ी को दर्शाता है। डाटा इंट्री में गड़बड़ी के कारण ही जब्त किये गये परिमाण का गलत आंकलन हुआ है।

जानकारी के अनुसार 2018 में 15,000 मिलीग्राम और 2020 में 50,000 मिलीग्राम हेरोइन जब्त की गयी थी, जिसकी रिकॉर्ड्स में क्रमश: 0.015 किग्रा और 0.050 किग्रा. के तौर पर इंट्री होनी चाहिए थी। इसकी बजाय गृह विभाग की ओर से संसद में बताया गया सिक्किम में पिछले दो वर्षों में ही 65,000 किग्रा से अधिक हेरोइन पकड़ी गयी है।

सिक्किम पुलिस के प्रवक्ता डीआईजी रेंज ताशी वांग्याल भूटिया ने इस सम्बंध में अपनी गलती स्वीकारते हुए कहा कि 'हमने गलती स्वीकार की है और इसकी जांच की जा रही है। हम यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या यह डाटा इंट्री त्रुटि सिक्किम पुलिस से हुई है या एनसीआरबी से। उन्होंने जांच के बाद दोषियों पर कार्रवाई का आश्वासन भी दिया है।

उल्लेखनीय है कि 'द वायर' में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार साथियम टीवी के एडीटर इन चीफ

अरविंदक्षम ने सबसे पहले यह मुद्दा उठाया था। उन्होंने आरटीआई के माध्यम से विभिन्न अर्धसैनिक बलों, पुलिस, जांच एजेंसियों तथा सिक्किम सरकार से सूचनाएं प्राप्त कीं। उसके बाद उन सूचनाओं के संकलन के पश्चात आंकड़ों में गड़बड़ी की यह बात सामने आयी। उन्होंने बताया कि हमने जब सिक्किम पुलिस से आरटीआई के माध्यम से जानकारी मांगी तो उन्होंने कहा कि 2018-2020 के बीच इतनी बड़ी मात्रा में हेरोइन जब्त नहीं की गयी है।

ऐसे में यह कहा जा सकता है कि इस मामले में महज एक छोटी बिंदु की गलती से राज्य के लिए इतनी असमंजस और अपमानजनक स्थिति उत्पन्न हुई है। वहीं यह समस्या केवल सिक्किम तक ही सीमित नहीं हो सकती है। मणिपुर में भी हेरोइन की जब्ती 2018 में 17 किग्रा से 2019 में 360 किग्रा और 2020 में 3,200 किग्रा पर पहुंच गयी है।

सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने सीमावर्ती इलाकों में लिया सुरक्षा का जायजा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 26 अक्टूबर । भारतीय सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने उत्तर बंगाल तथा सिक्किम के सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थित सेना छावनियों का गत 23 एवं 24 अक्टूबर मुआयना किया और अधिकारियों एवं सैनिकों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

इसके साथ ही उन्होंने उत्तरी सिक्किम के सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा स्थितियों का जायजा भी लिया। इस दौरान सेनाध्यक्ष जनरल पांडे के साथ पूर्वी कमान के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल आरपी कलिता और त्रिशक्ति कोर के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल तरुण कुमार आइच भी थे।

इस दौरान सेनाध्यक्ष जनरल पांडे ने सैन्यकर्मियों को पूरे उत्साह एवं जोश के साथ उच्चस्तरीय दक्षता एवं कार्यकुशलता दर्शाने हेतु प्रोत्साहित किया। साथ ही उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में ढांचागत विकास कार्यों की प्रगति पर भी संतुष्टि जतायी।

इससे पहले 23 अक्टूबर को सुकना सैन्य छावनी में पहुंचने के बाद सेनाध्यक्ष जनरल पांडे ने दीपावली पर आयोजित किये गये कार्यक्रम में शिरकत की। वहां उन्होंने जवानों से बातचीत की। साथ ही उन्होंने हाल ही में माउंट जोनसांग और माउंट डोमेखांग पर सफलतापूर्वक चढ़ाई करने वाले पर्वतारोही दल और आयुध प्रतियोगिता में प्रथम आने वाले शूटिंग दल को बधाई भी दी।

24 अक्टूबर को जनरल पांडे ने जीओसी तथा पूर्वी कमांडर के साथ उत्तर एवं पूर्व सिक्किम के अग्रिम क्षेत्रों का दौरा कर वहां परिचालनगत स्थितियों तथा फील्ड तैयारियों का निरीक्षण किया। इस दौरान सेना प्रमुख ने जवानों को किसी भी चुनौती के प्रति तैयार रहने को कहा। उन्होंने सैनिकों के पेशेवर अंदाज तथा समर्पण की सराहना भी की।

भूटान में प्रवेश पर लगेगा शुल्क

अनुगामिनी नि.सं.

सिलीगुड़ी, 26 अक्टूबर । फुएंत्शोलिंग के जरिए भूटान में प्रवेश करने और वहां से बाहर निकलने वाले किसी भी व्यक्ति को 1 नवंबर से 10 नगुलट्रम (भूटानी मुद्रा) का भुगतान करना होगा। यह नियम सभी देशों के लोगों पर लागू होगा चाहे उसकी राष्ट्रीयता कोई भी हो।

फुंटशोलिंग हिमालयी साम्राज्य की व्यावसायिक राजधानी है और जयगांव के साथ सीमा साझा करती है, जो बंगाल के अलीपुरद्वार जिले में है। 10 नगुलट्रम 10 रुपये के बराबर है।

23 अक्टूबर को फुएंत्शोलिंग में क्षेत्रीय आव्रजन कार्यालय में क्षेत्रीय निदेशक द्वारा जारी एक अधिसूचना के माध्यम से नए शुल्क की शुरुआत की सूचना दी गई।

एक सूत्र ने कहा कि यह शुल्क भूटान के नागरिकों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करने वाले विदेशियों से भी लिया जाएगा। इसका भुगतान नकद या मोबाइल ऐप के माध्यम से किया जा सकता है। यह निर्णय भूटान द्वारा भारत के साथ अपनी भूमि सीमाओं को फिर से खोलने के एक महीने बाद लिया गया है। मार्च 2020 में कोविड-19 के कारण अंतरराष्ट्रीय सीमा को बंद कर दिया गया था।

इस अवधि के दौरान, भूटान ने अपनी पर्यटन नीति में कई बदलाव लाए और 1,200 नगुलट्रम (1,200 रुपये) के दैनिक सतत विकास शुल्क (एसडीएफ) की घोषणा की, जो देश में रहने के दौरान प्रत्येक भारतीय से लिया जाएगा। भूटान ने

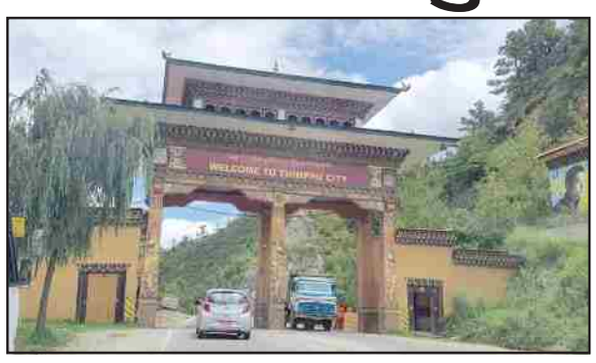

फुंटशोलिंग में एक एकीकृत पैदल यात्री टर्मिनल भी स्थापित किया है जिसके माध्यम से सभी औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए पास करना पड़ता है जैसे कि अपना विवरण जमा करना और राज्य में अन्य स्थानों की यात्रा करने के लिए परमिट और वीजा प्राप्त करना।

जयगांव के व्यापारी, जो काफी हद तक भूटान के ग्राहकों पर निर्भर हैं, ने कहा कि नया उपयोगकर्ता शुल्क अधिकांश व्यापारियों के लिए एक और अतिरिक्त खर्च होगा। एक स्थानीय व्यापारी समर दास ने कहा, हम में से कई लोगों को एक दिन में 200 रुपये या उससे अधिक खर्च करना पड़ सकता है क्योंकि हम और हमारे कार्यकर्ता विभिन्न कामों के लिए कई बार भूटान में प्रवेश करते हैं।

जंगली भालू के हमले में महिला घायल

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 26 अक्टूबर । पश्चिम सिक्किम के गेजिंग बर्मेक निर्वाचन क्षेत्र में आज दिन में जंगली भालू के हमले में एक महिला के गंभीर रूप से घायल होने का मामला प्रकाश में आया है। जिग्देन भूटिया (34) नामक इस महिला को चिकित्सा हेतु गंगटोक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

स्थानीय नागरिकों से प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त निर्वाचन क्षेत्र के मार्तम श्रीजंघा वार्ड में रहने वाली जिग्देन भूटिया पर आज दोपहर करीब 12 बजे भालू ने हमला किया जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गयी। उसके बाद ही उन्हें रिनचेनपोंग प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंगटोक अस्पताल रेफर कर दिया गया। भालू के हमले से उसका चेहरा काफी जख्मी हो गया है।

उल्लेखनीय है कि पश्चिम सिक्किम में जंगली भालुओं के हमलों में स्थानीय लोगों के गंभीर रूप से घायल करने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। वहीं, जंगली भालुओं द्वारा ग्रामीणों के पालतू जानवरों पर भी हमला कर उन्हें मारने की खबरें सामने आ रही हैं।

हमारी संस्कृति हमारी धरोहर है : राज्यपाल

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 26 अक्टूबर । सिक्किम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा राजभवन परिसर में 'देउसी' कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद उपस्थित रहे।

देउसी/ भैलो दीपावली के अवसर पर नेपाली समुदाय द्वारा गाया जाने वाला परिपारिक सांस्कृतिक गीत है जिसे स्त्री और पुरुष दोनों घर-घर जाकर गाते हैं और समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। इस दौरान उन्हें पैसे, फल, मिठाइयां दी जाती है। भैलो आमतौर पर लड़कियों गाती हैं जबकि देवसी

लड़कों द्वारा गाया जाता है।

नेपाली संस्कृति एवं परंपरा की अनूठी प्रस्तुति की प्रशंसा करते हुए राज्यपाल ने कहा कि हमारी संस्कृति हमारी धरोहर है और यह हमें सदा अपनी जड़ों से जोड़े रखती है। भारत संस्कृति और परंपराओं से समृद्ध राष्ट्र है इस तरह के कार्यक्रम हमें अपनी कला, संस्कृति को संरक्षित रखने एवं बढ़ावा में अति महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करते हैं।

सीएम ने किया 'गंजू लामा वीसी म्यूजियम' का उद्घाटन

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 26 अक्टूबर । सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने सोमवार को सांगमो में बहूप्रतीक्षित 'गंजू लामा वीसी म्यूजियम' का उद्घाटन किया। गौरतलब है कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापानी सैनिकों को मार भगाने में इस 'युद्ध नायक' के अदम्य साहस और त्याग की स्मृति में इसका निर्माण किया गया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री एवं अन्य अतिथियों ने स्वर्गीय गंजू लामा की प्रतिमा का अनावरण भी किया।

उद्घाटन के अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ राज्य विधानसभा के उपाध्यक्ष सांगे लेप्चा, कैबिनेट के मंत्रीगण, सेना के 17वीं माउंटेन डिवीजन के जीओसी मेजर जनरल

गम्भीर सिंह के अलावा अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण, सैन्य प्रतिनिधिगण एवं अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्वर्गीय गंजू लामा की धर्मपत्नी पेमा चुकी काजिनी और पुत्र पेमा लेडा भी विशेष तौर पर मौजूद रहे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह संग्रहालय सिक्किम के महानायक कैप्टन गंजू लामा के जीवन के विभिन्न पहलुओं को प्रदर्शित करता है। यहां उनकी दुर्लभ फुटेज, फोटो तथा ऐतिहासिक लेखों आदि को सहेजा गया (शेष पृष्ठ ०२ पर)

नरेंद्र मोदी से पहले सिख बना था देश का पीएम, पर अब सेक्युलरिज्म नहीं रहा: महबूबा मुफ्ती

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेन्सी)। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने एक बार फिर से ऋषि सुनक का हवाला देते हुए भारत में सेक्युलरिज्म खत्म होने की बात कही है। महबूबा ने आज मीडिया से बात करते हुए कहा, 'भाजपा ने देश के संविधान को कुचल दिया है।' यही नहीं उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले देश में सेक्युलरिज्म था, जो अब खत्म हो गया है। इससे पहले हमारे पास मुस्लिम राष्ट्रपति था और सिख पीएम था, लेकिन जब से नरेंद्र मोदी ने सत्ता संभाली है, तभी से स्थिति बिगड़ गई है। अब देश में मुसलमानों और दलितों को टारगेट करके लिंच किया जा रहा है।

महबूबा ने कहा कि हम नहीं चाहते कि इस देश में गोडसे और गुजरात मॉडल लागू हो। जम्मू-कश्मीर में विलय दिवस की छुट्टी को लेकर भी महबूबा ने हमला बोला। आज जम्मू-कश्मीर का भारत से जो रिश्ता बना दिया गया है, वह अवैध है। हम वही भारत चाहते हैं, जिसमें जम्मू-कश्मीर को 1947 में शामिल किया गया था। हमें आज का गोडसे-गुजरात मॉडल नहीं चाहिए। जम्मू-कश्मीर के विलय दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के बाद मीडिया से बात करते हुए महबूबा ने कहा, 'भारत में जम्मू-कश्मीर के विलय का दस्तावेज यह बताता है कि किस आधार पर यह हुआ था। हमें इस दिन छुट्टी की जरूरत नहीं है। हम चाहते हैं कि बस उस समझौते का सही से पालन किया जाएगा।'

हम वह समझौता लागू होते देखना चाहते हैं, जिसका वादा 1947 में विलय के दौरान किया गया था। महबूबा ने कहा कि हम भारत के लोगों को बताना चाहते हैं कि भारत के साथ हमारा विलय कुछ शर्तों के साथ हुआ था। उन शर्तों को 5 अगस्त, 2019 को खत्म कर दिया गया था। आर्टिकल 370 के खात्मे से उस समझौते को तोड़ दिया गया। यदि उस विलय के समझौते को स्वीकार किया जाए तो फिर आर्टिकल 370 हटाने का फैसला अवैध है। उस आधार पर तो जम्मू-कश्मीर के साथ भारत का रिश्ता भी अवैध हो जाता है।

महबूबा ने कहा कि हमने भारत के साथ जाना पसंद किया था। पाकिस्तान की बजाय हम भारत के साथ गए। लेकिन आज हमारे संसाधनों और पहचान को ही नष्ट किया जा रहा है। यही नहीं उन्होंने कहा कि विलय पत्र में तय शर्तों को लागू नहीं किया जाता है तो फिर जम्मू-कश्मीर के साथ भारत का रिश्ता ही अवैध है।

आग लगने से घर जलकर राख

अनुगामिनी नि.सं.

गेजिंग, 26 अक्टूबर। मानेबुंग-देन्ताम क्षेत्र में 19 सरदोंग-लुंगजिक जीपीयू के केरेमथांग वार्ड निवासी मक्कर बहादुर राई के घर कल शाम अचानक लगी आग से पूरा घर जलकर खाक हो गया। बताया जाता है कि रात करीब आठ बजे जब परिवार के लोग खाना खाकर सो चुके थे तभी अचानक आग लग गई जिसने देखते ही देखते पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। इसमें घर में रखी नकदी, सात बोरी इलायची, कुछ आभूषण और अन्य सामान जलकर राख हो गये।

मक्कर बहादुर राई ने बताया कि संभवत: यह आग बिजली की वजह से लगी होगी। उन्होंने कहा कि इस इलाके में बिजली के खंभे नहीं होने से काफी दूर से लंबे तार द्वारा घर में बिजली लायी गयी है। ऐसे में संभवत: शॉर्ट सर्किट से यह आग लगी है।

इधर सड़क की बदहाल स्थिति के कारण दमकल विभाग की गाड़ी को आगजनी स्थल पर पहुंच कर आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। हालांकि दमकल कर्मियों और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से काफी देर बाद आग पर काबू पाया जा सका। बदहाल सड़क के कारण ही आग को समय पर नहीं बुझाया जा सका और घर जल कर राख हो गया।

दमकल के कर्मचारियों और ग्रामीणों ने मिल कर चार घंटों की मशक्कत के बाद रात 12 बजे आग पर काबू पाया। वहीं इस दौरान मक्कर बहादुर की पत्नी दिलमाया राई जख्मी हो गईं। इस आगजनी के कारण पीड़ित परिवार को भारी नुकसान उठाना पड़ा है और उनलोगों ने सरकार के साथ-साथ विभाग से क्षतिपूर्ति की मांग की है।

सीएम ने किया .....

है जो आमलोगों को उनके जीवन को करीब से देखने और उनके विरासत व मूल्यों के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने हेतु प्रेरित करेगा। इसके अलावा संग्रहालय में स्वर्गीय गंजू लामा के पदक, वर्दी, कलाकृतियों, विभिन्न स्मृति चिन्हों एवं उनसे जुड़े अन्य सामानों को रखा गया है।

उल्लेखनीय है कि स्वर्गीय गंजू लामा 17वीं भारतीय डिवीजन के 48वीं ब्रिगेड में 7वीं गोरखा राइफल्स में एक युवा राइफलमैन थे, जो इम्फाल पर कब्जा करने के लिए बर्मा में तैनात थे। इस बटालियन का कार्य जापान की 15वीं सैन्य जवानों द्वारा बनाये गये बंकरों और बाधाओं को साफ करना था। इस दौरान इम्फाल के उत्तर-पूर्व स्थित टिडिम रोड में उनका दल जापानी टैंकों से घिर गया। इस दौरान गंजू लामा ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपने साथियों की रक्षा की। इसके लिए उन्हें सैन्य पदक से सम्मानित किया गया।

1 जुलाई, 2000 को गंजू लामा का निधन हो गया। हालांकि मरते दम तक वह भारत के राष्ट्रपति के मानद एडीसी (लाइफटाइम) के रूप में कार्यरत रहे। 24 अक्टूबर, 1944 को उन्हें विक्टोरिया क्रॉस से भी सम्मानित किया गया।

राम मंदिर का विरोध करने वाले केजरीवाल वोट के लिए कर रहे ढोंग : संबित पात्रा

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेन्सी)। भाजपा ने भविष्य में छपने वाले नए नोट पर लक्ष्मी जी और गणेश जी की तस्वीर छापने के दिल्ली मुख्यमंत्री केजरीवाल की मांग को यूटर्न बताते हुए आरोप लगाया है कि केजरीवाल अब वोट के लिए ढोंग कर रहे हैं।

भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने केजरीवाल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कुछ दिन पहले केजरीवाल दीपावली मनाने वाले लोगों को प्रेस कांफ्रेंस कर जेल भेजने की धमकी दे रहे थे और आज वो लक्ष्मी जी और गणेश जी की बात कर रहे हैं। उन्होंने दीपावली को लक्ष्मी जी और गणेश जी का त्योहार बताते हुए कहा कि पहले यह त्योहार मनाने वालों को जेल भेजने की धमकी देने वाले केजरीवाल किस तरह से यूटर्न ले रहे हैं, यह सब देख रहे हैं।

अरविंद केजरीवाल को हिंदू विरोधी बताते हुए पात्रा ने कहा कि यह वही केजरीवाल हैं जो अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण का विरोध कर रहे थे। हिंदुओं के पवित्र प्रतीक चिन्ह को झाड़ू से मार रहे थे। हिंदू विरोधी फोटो ट्वीट कर रहे थे। कश्मीरी पंडितों के नरसंहार पर बनी फिल्म का मजाक उड़ा रहे थे और जिन्होंने हिंदू देवी-देवताओं के लिए अपशब्द कहने वाले राजेंद्र पाल गौतम को अभी तक पार्टी से बाहर नहीं निकाला है और वो आज भी आम आदमी पार्टी का विधायक है, आज वही केजरीवाल स्वांग कर रहे हैं, वोट के लिए ढोंग कर रहे हैं।

पात्रा ने केजरीवाल का जवाब देते हुए कहा कि मां लक्ष्मी का आशीर्वाद भारत पर है और हमेशा रहेगा। आज भारत दुनिया की सबसे बेहतर और शानदार अर्थव्यवस्था है। भाजपा प्रवक्ता ने घोटालों को लेकर दिल्ली सीएम पर निशाना साधते हुए कहा कि मां लक्ष्मी और गणेश जी केजरीवाल को शराब घोटालों के लिए कभी माफ नहीं करेंगे।

बांके बिहारी की शरण में पहुंचे अखिलेश यादव, गोवर्धन पूजा के पर्व पर परिवार के साथ की पूजा-अर्चना

वृंदावन, 26 अक्टूबर (एजेन्सी)। सपा मुखिया एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव बुधवार शाम को वृंदावन के बांकेबिहारी की शरण में पहुंचे। यहां उन्होंने परिवार के साथ ठा. बांकेबिहारी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। पत्नी डिंपल यादव ने ठा. बांकेबिहारी के समक्ष 11 दीपक भी जलाए। सपा संरक्षक एवं पिता मुलायम सिंह यादव के निधन और उनका शांति पाठ करने के बाद अखिलेश यादव बेटे, बेटी, पत्नी और भाई धर्मेंद्र के साथ पहली बार कहीं नजर आए हैं।

गोवर्धन पूजा पर्व पर बुधवार को वृंदावन पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पत्नी डिंपल, बेटे अर्जुन, बेटी अदिति और भाई धर्मेंद्र यादव के साथ वृंदावन के बांकेबिहारी मंदिर में पहले देहरी पर स्वास्तिक बनाया और फिर 11 दीपक जलाकर परिवार, प्रदेश और देशवासियों की सुख समृद्धि की कामना की।

इस दौरान अखिलेश यादव ने मीडिया के प्रश्नों का कोई जवाब नहीं दिया, वहीं डिंपल यादव ने कहा कि वह ठा. बांकेबिहारी जी का आशीर्वाद लेने यहां आए हैं। पिता मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद पहली बार सैफई से परिवार के साथ धार्मिक यात्रा पर निकले हैं।

अखिलेश यादव वृंदावन में करीब एक घंटे तक रहे। मंदिर सेवायत गोपी गोस्वामी, मयंक गोस्वामी एवं श्रीनाथ गोस्वामी ने उन्हें पूजा-अर्चना कराई। सेवायत अशोक गोस्वामी, निर्देश बिहारी गोस्वामी, जुगल किशोर गोस्वामी आदि ने उनका दुपट्टा ओढ़ाकर एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया।

असम में मुसलमानों द्वारा स्थापित संग्रहालय सील, हिरासत में 2 लोग

गुवाहाटी, 26 अक्टूबर (एजेन्सी)। असम पुलिस ने मंगलवार को असम मियां (असोमिया) परिषद के अध्यक्ष मोहर अली सहित दो लोगों को हिरासत में लिया है।

इससे पहले गोलपारा जिला प्रशासन द्वारा मुसलमानों द्वारा स्थापित निजी मिया संग्रहालय को सील कर दिया गया था। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा इसकी फंडिंग पर सवाल उठाने के बाद अधिकारियों ने संग्रहालय को सील कर दिया था।

अली और अब्दुल बातेन को लखीपुर से गिरफ्तार कर पूछताछ के लिए गोलपारा सदर थाने लाया गया। असम के विशेष पुलिस महानिदेशक जी.पी. सिंह ने एक ट्वीट में कहा: गोलपारा के मोहर अली और धुबरी के अब्दुल बातेन को हिरासत में लिया गया है। एक्यूआईएस/एबीटी के साथ उनके संबंध के बारे में आगे की जांच और पूछताछ की जाएगी।

असम पुलिस ने इस साल अप्रैल से अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) के संबंध में लगभग 40 आतंकवादी संदिग्धों को गिरफ्तार किया है, भारतीय उपमहाद्वीप में अल कायदा से संबद्ध (एक्यूआईएस) आतंकी समूह समर्थित मॉड्यूल और विशेष रूप से पश्चिमी और मध्य असम के अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

रविवार को पश्चिमी असम के गोलपारा जिले के दपकरभिता क्षेत्र में मिया संग्रहालय का उद्घाटन किया गया। शब्द मिया का इस्तेमाल ज्यादातर स्वदेशी समुदायों द्वारा बंगाली या बंगाल मूल के मुसलमानों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, जो 1890 के दशक के उत्तरार्ध से असम में ब्रह्मपुत्र नदी के किनारों पर बस गए थे, जब अंग्रेजों ने उन्हें वाणिज्यिक खेती और अन्य काम के लिए लाया था।

लखीपुर राजस्व मंडल का एक नोटिस, मिया संग्रहालय के दरवाजे पर चिपकाया गया: डीसी के निदेर्शानुसार गांव दपकरभिता के मोहर अली पुत्र सोमेश अली का यह पीएमएवाई-जी आवास अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस मिया संग्रहालय की स्थापना के लिए धन के स्रोत की जांच शुरू करेगी।

सरमा ने मीडिया से कहा, जिन लोगों ने मिया संग्रहालय स्थापित किया है, उन्हें सरकार के सवालों का जवाब देना होगा, ऐसा नहीं करने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह हमेशा कहते रहे हैं कि 'मिया कविता', 'मिया स्कूल' का उदय गंभीर चिंता के मुद्दों को चुनौती दे रहा है।

यह देखते हुए कि इस तरह के उदाहरण स्वदेशी समाज के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं, सरमा ने कहा: जो कोई भी खुद को भारतीय नागरिक मानता है, उसे ऐसे तत्वों के खिलाफ सामाजिक और राजनीतिक रूप से एक प्रतिरोध स्थापित करने के बारे में सोचना चाहिए। असम में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों और नेताओं ने भी राज्य सरकार से प्रवासी मुसलमानों की संस्कृति को प्रदर्शित करने वाले संग्रहालय को ध्वस्त करने को कहा है।

भाजपा विधायक प्रशांत फुकन ने सबसे पहले राज्य सरकार से नवनिर्मित संग्रहालय को हटाने की मांग की थी। भाजपा के पूर्व विधायक, शिलादित्य देव, जो असम भाषाई अल्पसंख्यक विकास बोर्ड के अध्यक्ष भी हैं, उन्होंने राज्य सरकार से संग्रहालय और इसे स्थापित करने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आग्रह किया।

हालांकि, मिया संग्रहालय का समर्थन करते हुए, दक्षिणी असम के करीमगंज उत्तर निर्वाचन क्षेत्र के कांग्रेस विधायक, कमलाख्या डे पुरकायस्थ ने कहा: असम में मतदान करने वाले बंगालियों की बड़ी संख्या की संस्कृति और पहचान को संरक्षित करने की आवश्यकता है। पूर्व कांग्रेस विधायक शर्मन अली अहमद ने पहले गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में मिया संग्रहालय स्थापित करने का प्रस्ताव रखा था। असम के मुख्यमंत्री ने उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया था।

पर्यटकों के बीच लोकप्रिय कलाक्षेत्र बहु-जातीय असम की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करता है। असोम मियां (असोमिया) परिषद द्वारा स्थापित मिया संग्रहालय में, पारंपरिक खेती और लकड़ी और बांस से बनी घरेलू वस्तुओं को प्रदर्शित किया गया था।

स्वदेशी और स्वावलंबन आत्मनिर्भर भारत के लिए प्रगति में मूल मंत्र : पीएम मोदी

राजेश अलख

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को स्वदेशी उत्पादों और स्वावलंबन को प्रोत्साहन देने पर बल दिया और आत्मनिर्भर भारत के लिए इन्हें प्रगति के मूल मंत्र करार दिया। उन्होंने कहा कि देश की समृद्धि, आर्थिक समृद्धि पर निर्भर है तथा स्वदेशी अपनाकर भारत की कला, संस्कृति और सभ्यता को जीवित रख सकते हैं।

जैन संत विजय वल्लभ सुरीश्वर की 150वीं जयंती के अवसर पर वीडियो संदेश के माध्यम से मोदी ने उक्त बातें कही। इस अवसर पर उन्होंने विजय वल्लभ सुरीश्वर को समर्पित एक स्मारक डाक टिकट और सिक्के का विमोचन भी किया। संत सुरीश्वर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्होंने कहा, आज दुनिया युद्ध, आतंक और हिंसा के संकट को अनुभव कर रही है। इस कुचक्र से बाहर निकलने के लिए दुनिया प्रेरणा और प्रोत्साहन की तलाश कर रही है। ऐसे में भारत की पुरातन परंपरा, भारत का दर्शन और आज के भारत का सामर्थ्य विश्व के लिए बड़ी उम्मीद बन रहा है।

मोदी ने कहा कि संतजन, आचार्य सुरीश्वर महाराज का दिखाया रास्ता और जैन गुरुओं की सीख, इन वैश्विक संकटों का समाधान है। उन्होंने कहा, संत सुरीश्वर ने अहिंसा, अनेकांत और अपरिग्रह को जीया और इनके प्रति जन-जन में विश्वास फैलाने का निरंतर प्रयास किया। यह आज भी हम सभी को प्रेरित करता है। शांति और सौहार्द के लिए उनका आग्रह विभाजन की विभीषिका के दौरान भी स्पष्ट रूप से दिखा। भारत विभाजन के कारण संत सुरीश्वर को चतुर्मास का व्रत भी तोड़ना पड़ा था। उन्होंने कहा कि संत सुरीश्वर ने अपरिग्रह का जो रास्ता बताया, आजादी के आंदोलन में महात्मा गांधी ने भी उसे अपनाया।

प्रधानमंत्री ने सरदार वल्लभ भाई पटेल को याद करते हुए कहा कि उनकी जयंती 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाएगा और उनकी स्मृति में बना 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' सिर्फ एक ऊंची प्रतिमा भर नहीं हैं, बल्कि यह एक भारत, श्रेष्ठ भारत का भी

सबसे बड़ा प्रतीक है। उन्होंने कहा, सरदार साहब ने टुकड़ों में बंटे, रियासतों में बंटे, भारत को जोड़ा था। आचार्य जी ने देश के अलग-अलग हिस्सों में घूमकर भारत की एकता और अखंडता को, भारत की संस्कृति को सशक्त किया। देश की आजादी के लिए हुए जो आंदोलन हुए उस दौर में भी उन्होंने कोटि-कोटि स्वतंत्रता सेनानियों के साथ मिलकर काम किया।

संत सुरीश्वर के योगदान को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अतीत में संतों ने समाज कल्याण, मानवसेवा, शिक्षा और जनचेतना की जो समृद्ध परिपाटी विकसित की है, उसका निरंतर विस्तार होता रहे, यह आज देश की ज़रूरत है।

उन्होंने कहा, आज़ादी के अमृतकाल में हम विकसित भारत के निर्माण की तरफ आगे बढ़ रहे हैं। इसके लिए देश ने पंच प्रणों का संकल्प लिया है। इन पंच प्रणों की सिद्धि में आप संतगणों की भूमिका बहुत ही अग्रणी है। नागरिक कर्तव्यों को कैसे हम सशक्त करें, इसके लिए संतों का मार्गदर्शन हमेशा अहम है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसके साथ-साथ देश "लोकल के लिए वोकल" हो और भारत के लोगों के परिश्रम से बने सामान को मान-सम्मान मिले, इसके लिए भी चेतना अभियान बहुत बड़ी राष्ट्रसेवा हैं।

20 साल पुराने हत्या केस में यूपी सरकार की अपील को ट्रांसफर करने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

लखनऊ, 26 अक्टूबर (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा द्वारा दायर एक याचिका को खारिज कर दिया है जिसमें 20 साल से अधिक पुराने हत्या के मामले में मिश्रा को बरी करने के खिलाफ दायर उत्तर प्रदेश सरकार की अपील को ट्रांसफर करने की मांग की गई थी। ख्य न्यायाधीश यू यू ललित और बेला एम त्रिवेदी की पीठ को बताया गया कि ट्रांसफर की मांग इस आधार पर की गई थी कि वरिष्ठ वकील, जिन्हें लखनऊ में मामले की बहस करनी है, आमतौर पर इलाहाबाद में रहते हैं और उनकी उम्र के कारण यह संभव नहीं होगा कि वह तर्क-वितर्क के लिए लखनऊ तक जाए।

पीठ ने कहा कि हम इन सभी मुद्दों में नहीं जाते हैं क्योंकि हमारे विचार में, उच्च न्यायालय से 10 नवंबर 2022 को निपटान के लिए अपील पर सुनवाई करने का अनुरोध, उच्च न्यायालय द्वारा दी गई तारीख और दोनों वरिष्ठ वकील द्वारा सहमति न्याय के लिए है। उन्होंने कहा कि यदि वरिष्ठ वकील लखनऊ आने में असमर्थ हैं, तो उक्त वकील को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रस्तुत करने की अनुमति देने के अनुरोध पर हाई कोर्ट द्वारा विचार किया जा सकता है।

गौरतलब हो कि यह मामला 2000 में लखीमपुर खीरी में हुई 24 वर्षीय प्रभात गुप्ता की हत्या से संबंधित है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा पर प्रभात गुप्ता की हत्या का मुकदमा चला और 2004 में उन्हें बरी कर दिया गया था, जिसके बाद राज्य ने अपील दायर की थी। लखीमपुर खीरी में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की एक अदालत ने पर्याप्त सबूतों के अभाव में 2004 में मिश्रा और अन्य को बरी कर दिया था।

बरी किए जाने के खिलाफ राज्य सरकार ने एक अपील दायर की थी जबकि मृतक के परिवार ने फैसले को चुनौती देते हुए एक अलग पुनरीक्षण याचिका दायर की थी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा पारित प्रशासनिक आदेश के खिलाफ मिश्रा ने शीर्ष अदालत का रुख किया था, जिसमें लखनऊ से इलाहाबाद में सरकारी अपील को स्थानांतरित करने की प्रार्थना को खारिज कर दिया गया था।

बीजेपी, मोदी को सिर्फ राहुल ही चुनौती दे सकते हैं : अशोक गहलोत

जयपुर, 26 अक्टूबर (एजेन्सी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को कहा कि केवल राहुल गांधी ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चुनौती दे सकते हैं और उन्होंने अपनी भारत जोड़ो यात्रा' के जरिए एक संदेश दिया है। हालांकि, उन्होंने कांग्रेस के नये अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पार्टी को मजबूत करने में हर संभव समर्थन देने का आश्वासन दिया। उन्होंने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को भी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनका इस्तीफा सभी पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं के लिए एक भावुक क्षण है।

गहलोत उन लोगों में शामिल थे, जो खड़गे के कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी के नये प्रमुख का पदभार संभालने के बाद सोनिया गांधी के साथ उनके 10, जनपथ स्थित आवास पर गए। उनके साथ पार्टी नेता के. सी. वेणुगोपाल, मुकुल वासनिक, रणदीप सुरजेवाला और हरीश रावत भी थे। गहलोत ने संवाददाताओं से कहा, हम चाहते थे कि राहुल गांधी फिर से कांग्रेस अध्यक्ष बनें क्योंकि वह ही भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चुनौती दे सकते हैं। उन्होंने कहा, उनकी यात्रा ने देश को संदेश दिया है कि प्यार और स्नेह की राजनीति होनी चाहिए तथा नफरत की राजनीति पर पूर्ण विराम लगना चाहिए।

उन्होंने महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दों को भी उठाया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा, खड़गे ने यह निर्णय लिये जाने के बाद पदभार ग्रहण किया कि एक गैर-गांधी पार्टी अध्यक्ष होना चाहिए। मुझे लगता है कि चुनौती बहुत बड़ी है और हम सभी यह सुनिश्चित करेंगे कि सोनिया गांधी ने जो भी फैसला किया है उसका सम्मान किया जाए। गहलोत ने कहा कि ऐसे समय में जब देश बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहा है, यह कांग्रेस के लिए एक नई शुरुआत है। राजस्थान के मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि कांग्रेस को कम संसाधनों के साथ लड़ना होगा और फासीवादी ताकतों से मुकाबला करने की चुनौती स्वीकार करनी होगी।

उन्होंने कहा, आज एक नई शुरुआत है और हम सभी खड़गे जी को मजबूत करने में मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि एक दलित नेता को कांग्रेस का नेतृत्व करने का मौका मिला है और देश के सभी दलितों को गर्व और सशक्त महसूस करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस कदम से कांग्रेस को समर्थन हासिल करने में मदद मिलेगी। सोनिया गांधी की भूमिका की सराहना करते हुए, उन्होंने कहा कि यह हर कांग्रेस सदस्य के लिए एक भावुक क्षण है। उन्होंने कहा, जो लोग सोनिया जी के राजनीति में आने के खिलाफ थे, वे उनके प्रशंसक बन गए।

उन्होंने कहा, 2004 और 2009 में भाजपा को हराकर केंद्र में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार बनी थी। सोनिया जी ने प्रधानमंत्री का पद भी छोड़ दिया और हमेशा एक परिवार की तरह कांग्रेस चलाई। त्याग, स्नेह और अपनत्व की इस भावना के कारण, पार्टी उनके नेतृत्व में एकजुट रही और कई पार्टियों के साथ गठबंधन करके संप्रग का गठन किया। उन्होंने कहा कि 1998 में जब सोनिया गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष का पद संभाला था, तब पार्टी की केंद्र में सरकार नहीं थी और उसे राज्यों में भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था और सोनिया गांधी के अध्यक्ष बनने के बाद सभी राज्यों में कांग्रेस की जीत हुई। पार्टी में सोनिया गांधी के योगदान को याद करते हुए उन्होंने

कहा, उन्होंने 22 साल तक पार्टी का नेतृत्व किया और तब भी हमने उनसे कांग्रेस पार्टी के हित में पार्टी प्रमुख बनने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में कांग्रेस ने केंद्र में दो बार संप्रग सरकार और 12 राज्यों में सरकारें बनाईं।

योगशाला कार्यक्रम को रोकने की कोशिश कर रही बीजेपी : सिसोदिया

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेन्सी)। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने आरोप लगाया कि भाजपा दिल्ली सरकार के फ्लैगशिप कार्यक्रम दिल्ली की योगशाला कार्यक्रम को रोकने की कोशिश कर रही है। अधिकारियों पर दबाव बनाकर और निलंबन का डर दिखाकर आगामी एक नवंबर से बंद करने की तैयारी है। सिसोदिया ने कहा कि इस योगशाला कार्यक्रम को आगे भी जारी रखने की मंजूरी के लिए उपराज्यपाल को फाइल भेजी गई है।

दिल्ली सचिवालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में मनीष सिसोदिया ने कहा कि प्रधानमंत्री पूरे देश और दुनिया में योग के प्रचार-प्रसार की बात करते हैं। वहीं दूसरी तरफ भाजपा के लोग उसे बंद कराने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार दिल्लीवालों के स्वस्थ्य जीवनशैली के लिए 600 जगहों पर 17 हजार से ज्यादा नागरिकों के लिए मुफ्त योग कक्षाएं लगाती है। योगशाला के चलते कोविड के बाद बीमारियों से जूझ रहे 11 हजार लोगों के स्वास्थ्य समस्याओं से उबरने में मदद मिली। कोरोना काल में भी ऑनलाइन योगशाला की कक्षाएं लगीं और 4500 लोगों को इसका फायदा मिला।

सिसोदिया ने कहा कि जिस योगशाला कार्यक्रम ने कोविड के दौरान और कोविड के बाद लोगों को बीमारियों से उबरने में मदद की। दिल्लीवालों को स्वस्थ्य जीवनशैली में मदद कर रहा है। केजरीवाल सरकार के उसी कार्यक्रम को भाजपा द्वारा बंद करने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा कि मुद्दे की गंभीरता को देखते हुए मैंने मुख्यमंत्री से इस पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि हम किसी कीमत पर इसे बंद नहीं होने देंगे। इसलिए कार्यक्रम आगे वैसे ही जारी रखने के लिए उपराज्यपाल को मंजूरी के लिए फाइल भेज दी है। उम्मीद है कि उपराज्यपाल फाइल को जल्द मंजूरी देंगे ताकि दिल्ली के हजारों लोगों का दिल्ली की योगशाला के माध्यम से योग व ध्यान करने का रास्ता साफ हो सके।

योगशालाओं को लेकर दिल्ली सरकार गंभीर नहीं है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि केंद्र सरकार खुद योग को लेकर बड़ा काम कर रही है, लेकिन दिल्ली सरकार इस मामले में बेवजह आरोप लगा रही है।

दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को अपनी सरकार की विफलताओं के लिये भाजपा एवं केंद्र सरकार पर दोषारोपण करने की आदत है। आज सिसोदिया ने कहा कि भाजपा उपराज्यपाल के माध्यम से योगशाला कार्यक्रम को रोकना चाहती है। योगा को प्रोत्साहन देते हुए प्रधानमंत्री ने योगा को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता दिलवाई है। सच यह है कि दिल्ली सरकार बिना अनुमति प्रक्रिया पूरी करें कार्यक्रम स्कीम लागू कर देती है। अब सरकार ने उपराज्यपाल से अनुमति मांगी है, जो उम्मीद है अवश्य मिलेगी।

सोनिया और राहुल पार्टी के नेता थे और रहेंगे : सचिन पायलट

नोएडा, 26 अक्टूबर (एजेन्सी)। गोवर्धन पूजा करने के लिए कांग्रेस नेता सचिन पायलट आज नोएडा पहुंचे डीएनडी पर कांग्रेसी कार्यकतार्ओं ने उनका जमकर स्वागत किया फूल मालाएं पहनाई और फिर वह आगे बढ़े।

सचिन पायलट नोएडा में पैतृक वैदेपुरा गांव में गोवर्धन की पूजा करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत की और उनके कई सवालों का जवाब भी दिया। जिसमें उन्होंने साफ तौर पर एक बात कही कि सोनिया और राहुल पार्टी के नेता थे और रहेंगे।

उन्होंने मीडिया से बात करते हुए बताया कि कांग्रेस में हुआ चुनाव यह दर्शाता है कि लोकतंत्र और लोकशाही के लिए यह एक शुभ संकेत है, नौ हजार लोगों ने अपने अध्यक्ष की चुना है। कांग्रेस में पूरी पारदर्शी और बिना भेदभाव के चुनाव हुआ है। उन्होंने बताया कि कल के साथ 9 बार के विधायक रहे हैं दो बार के सांसद रहे हैं और 50 साल का उनका अनुभव रहा है उन्होंने हमेशा कांग्रेस के कार्यकर्ता के रूप में काम किया है आने वाले चुनाव में उनकी अध्यक्षता में पार्टी हर स्टेट में काम करेगी। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी पार्टी के नेता थे और हमेशा रहेंगे लेकिन अध्यक्ष के रूप में अब मलिकार्जुन खड़गे के साथ पूरी पार्टी कदम से कदम मिलाकर हर स्टेट में जहां भी चुनाव है वहां पर काम करेगी।

उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर तंज कसते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी में अध्यक्ष का चुनाव कब और कैसे और क्या प्रक्रिया है यह बिना किसी को पता चले हो जाता है। मैंने कहा कि हमारे यहां 50 परसेंट युवाओं को संगठन में हिस्सेदारी दी जाएगी उन्हें जिम्मेदारी दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि हिमाचल, गुजरात, कर्नाटक और राजस्थान में चुनाव पूरे जोर के साथ लड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि आज राहुल गांधी की पैदल यात्रा से लोग असल मुद्दों से जुड़े हैं और लोगों को यह पता चला है कि देश में महंगाई बेरोजगारी ही सबसे मेन और अहम मुद्दा है। जिस पर बीजेपी मौन साधे हुए हैं।

उन्होंने बताया कि दिसंबर के पहले हफ्ते में राजस्थान मैं भारत जोड़ो यात्रा शुरू होगी। राजस्थान में किसके नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाएगा इस सवाल के जवाब से बचते दिखाई दिए सचिन पायलट और कहा एक ही धेय है दुबारा कैसे सरकार बनाई जाए।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR TEESTA MORNING
TUESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:100 DrawDate on:25/10/22
1st Prize ₹1 Crore/- 86D 56843
(Including Super Prize Ant)
Cons. Prize ₹1000/- 56843 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
27347 27656 27791 40240 44493 54057 54733 62578 81494 91012
3rd Prize ₹450/-
0367 1132 3437 3489 4150 4382 6284 6774 6791 8567
4th Prize ₹250/-
0009 2270 4724 4786 5616 5629 6691 6711 6760 9379
5th Prize ₹120/-
0031 0219 0229 0256 0369 0412 0507 0535 0556 0558
0608 0719 0730 0833 0868 1001 1013 1311 1374 1397
1429 1460 1536 1547 1661 1684 1974 2009 2027 2043
2371 2440 2458 2536 2635 2842 3224 3231 3302 3590
3670 3811 3960 4257 4282 4320 4504 4532 4556 4613
4901 5003 5161 5327 5639 5646 5654 5682 5701 5801
5917 5993 6065 6232 6326 6371 6499 6520 6581 6719
6824 6904 6944 7180 7273 7329 7552 7658 7677 7689
7803 7835 7902 7914 7968 8198 8207 8690 8704 8792
8971 9092 9179 9262 9375 9522 9738 9845 9943 9961
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

कांग्रेस अध्यक्ष बनते ही एक्शन में मल्लिकार्जुन खड़गे, 47 सदस्यीय संचालन समिति का गठन किया

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेन्सी)। कांग्रेस के नए अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को सीडब्ल्यूसी के स्थान पर 47 सदस्यीय संचालन समिति का गठन किया, जिसमें उनकी पूर्ववर्ती सोनिया गांधी, राहुल गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह शामिल हैं।

खड़गे के कार्यभार संभालने से पहले, कांग्रेस कार्य समिति के सभी सदस्यों- पार्टी के सर्वोच्च निर्णय लेने वाले प्राधिकरण, एआईसीसी महासचिव और प्रभारी ने अपना इस्तीफा दे दिया था।

इससे पहले खड़गे ने कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में अपने पहले भाषण में कहा था कि बाबा साहब (बी.आर. अम्बेडकर) के संविधान को संघ के संविधान से बदलने की कोशिश की जा रही है और कांग्रेस ऐसा नहीं होने देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि नया भारत रोजगार विहीन है, गरीबी और किसानों को पहियों के नीचे कुचला जा रहा है। सरकार का प्रयास देश को विपक्ष रहित बनाना है लेकिन कांग्रेस जनता के लिए सरकार से लड़ेगी।

कांग्रेस के नए अध्यक्ष का कार्यभार संभालने के बाद मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, यह कैसा न्यू इंडिया है? जिसमें रोजगार नहीं मिल रहा है, किसानों को जीप से कुचला जा रहा है। सभी सरकारी जगहों को बेच अपने कुछ दोस्तों को दिया जा रहा है। शिक्षा महंगी हो रही है, सरकार सो रही है। ईडी-सीबीआई दमन के लिए 24 घंटे काम कर रही है और दलितों, अल्पसंख्यकों को अपमानित किया जा रहा है।

कांग्रेस के नए अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को सोनिया गांधी और राहुल गांधी सहित अन्य पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में पदभार ग्रहण किया।

पद संभालते ही उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं को साफ कर दिया की हम 'डरो मत' की राह पर चलेंगे। राहुल गांधी लोकसभा में इसका जिक्र कर चुके हैं।

इसके साथ ही अध्यक्ष पद संभालते ही उन्होंने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, कौन जानता था कि देश की राजनिति में झूठ का बोलबाला होगा। न्यू इंडिया में झूठ को सच बनाया जा रहा है। गोडसे को देशभक्त और गांधी को गाली दी जा रही है। कांग्रेस ऐसा नहीं होने देगी, हम लड़ते रहेंगे। न्यू इंडिया बनाने के लिए वो कांग्रेस मुक्त भारत चाहते हैं, लेकिन हम उनको ऐसा नहीं करने देंगे, झूठ फरेब और नफरत का ये तंत्र हम तोड़ कर रहेंगे।

नाबालिग आदिवासी लड़की से गैंग रेप, 3 आरोपियों में से 1 गिरफ्तार

अगरतला, 26 अक्टूबर (एजेन्सी)। त्रिपुरा के खोवई जिले में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम से घर लौट रही एक नाबालिग आदिवासी लड़की से कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) प्रसून त्रिपुरा ने मीडिया को बताया कि उक्त घटना के संबंध में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। यह घटना उनाकोटी जिले में एक अन्य किशोरी के साथ कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किए जाने के कुछ दिनों बाद हुई है।

खोवई में आदिवासी लड़की द्वारा पुलिस में दर्ज करवाई गई शिकायत के अनुसार, ''वह काली पूजा कार्यक्रम से दोस्तों के साथ घर लौट रही थी, जब नशे में धुत तीन लोगों ने उसे रास्ते में पकड़ा और बंधक बना लिया।''

प्रसून ने प्राथमिकी के हवाले से कहा, ''लड़की ने बताया कि आरोपियों ने सभी लोगों के फोन छीन लिए और उन्हें जाने दिया, लेकिन उसे वहीं रोक कर रखा। इसके बाद पुरुषों ने बारी-बारी से उसका यौन उत्पीड़न किया।''

अधिकारी ने कहा, ''तीन आरोपियों में से एक को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य दो को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।''

उन्होंने कहा कि लड़की का चिकित्सकीय परीक्षण करवाया गया है और उसकी रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

आंतरिक सुरक्षा के मुद्दे पर पहली बार होगी हाईलेवल मीटिंग, गृहमंत्री करेंगे अध्यक्षता

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेन्सी)। हरियाणा के सूरजकुंड में आयोजित होने वाले दो दिवसीय चिंतन शिविर की अध्यक्षता केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे। आंतरिक सुरक्षा के मुद्दे पर शिविर में पुलिस के आधुनिकीकरण, साइबर अपराध प्रबंधन, आपराधिक न्याय प्रणाली में आईटी के बढ़ते उपयोग, भूमि सीमा प्रबंधन, तटीय सुरक्षा, महिला सुरक्षा, मादक पदार्थों की तस्करी जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

दरअसल, प्रधानमंत्री द्वारा अपने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में घोषित 'पंच प्राण' के अनुसार, आंतरिक सुरक्षा से संबंधित मामलों पर नीति निर्माण के लिए राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य प्रदान करने के लिए दो दिवसीय कार्यक्रम 27 अक्टूबर और 28 अक्टूबर को आयोजित किया जा रहा है। एक बयान में कहा गया कि, सहकारी संघवाद की भावना से शिविर, केंद्र और राज्य के बीच योजना और समन्वय बनाने में तालमेल प्रदान करेगा।

सरकार के अधिकारियों ने कहा कि पहली बार ऐसा आयोजन किया जा रहा है, जिसमें राज्यों के गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और केंद्रीय पुलिस संगठनों के महानिदेशक मौजूद रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 अक्टूबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राज्यों के गृह मंत्रियों के चिंतन शिविर को संबोधित करेंगे। गृह मंत्रालयों का प्रभार संभालने वाले राज्यों के विभिन्न मुख्यमंत्रियों के भी इस कार्यक्रम में शामिल होने की उम्मीद है क्योंकि उन्हें केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा 30 सितंबर को एक निमंत्रण पत्र भेजा गया था। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के पास राज्य के गृह मंत्रालय का प्रभार है। उन्हें भी गृह मंत्रालय की तरफ से निमंत्रण भेजा है।

केंद्रीय गृह मंत्री बैठक के उद्घाटन और समापन सत्र दोनों को संबोधित करेंगे। जिसमें सात अलग-अलग सत्र होंगे जिसमें राज्यों के गृह मंत्री प्रस्तुतीकरण देंगे। गृह मंत्रियों को भी दो दिनों के दौरान शाह के साथ वन-ऑन-वन टाइम स्लॉट मिलने की संभावना है क्योंकि केंद्रीय गृह मंत्री बैठक के लिए सूरजकुंड में मौजूद रहेंगे।

'मादक पदार्थों की तस्करी, राष्ट्रीय सुरक्षा' पर क्षेत्रीय बैठक की शाह ने की अध्यक्षता

गांधीनगर, 26 अक्टूबर (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को गुजरात की राजधानी गांधीनगर में मादक पदार्थों की तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा' पर एक उच्चस्तरीय क्षेत्रीय बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान शाह ने कहा कि हमारे संविधान ने कानून और व्यवस्था को राज्यों का मुद्दा बनाया है और ये उचित भी है, लेकिन विगत चार दशकों में कई इस प्रकार के अपराध अलग-अलग पद्धतियों से अस्तित्व में आए हैं, जिनकी प्रकृति ना केवल राष्ट्रीय है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय भी है, जैसे ड्रग्स की तस्करी और इसका प्रसार।

ये देश की सीमाओं के दूसरी ओर से किया जा रहा एक अपराध है और देश की सीमाओं के अंदर भी अंतरराज्यीय गिरोहों के माध्यम से ये अपराध छोटे- छोटे शहरों, गांवों और कस्बों तक पहुंचा है और हमारी युवा पीढ़ी को बर्बाद कर रहा है। इस बैठक में गोवा, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश दादरा- नगर हवेली तथा दमन- दीव राज्य के मुख्यमंत्री / उप मुख्यमंत्री / प्रशासकों के साथ-साथ केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि कानून और व्यवस्था राज्यों का विषय होने के बावजूद भी अगर हम अक्रॉस बॉर्डर लड़ने का अप्रोच नहीं रखते हैं, तो इस पर नियंत्रण नहीं कर सकते हैं। इसीलिए सभी राज्यों की पुलिस और नारकोटिक्स विभाग की सभी ऐजेंसियां, भारत सरकार का राजस्व, समाज कल्याण, आरोग्य विभाग और सीमा सुरक्षा का काम करने वाली सभी सीएपीएफ, तटरक्षक बल और नौसेना का व्यापक समन्वय करके अगर हम नीति नहीं बनाते हैं, तो इस समस्या को पूर्णतया नष्ट करना असंभव है।

इसीलिए नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2019 से एक अप्रोच लिया है कि समन्वय और सहयोग के आधार पर नारकोटिक्स के खिलाफ हमारी लड़ाई को पुख्ता, मज़बूत करना, परिणामलक्षी बनाना और सफल करना है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के क्षेत्रीय सम्मेलनों के बाद ज़लिास्तरीय एन्कॉर्ड की रचना हुई है। एफएसएल का उपयोग भी बढ़ा है। राज्यों के हाई कोटर् में राज्य प्रशासन द्वारा स्पेशल कोटर् की अनुमति मांगने की संख्या भी बढ़ी है।

शाह ने कहा कि एक ओर नारकोटिक्स दीमक की तरह हमारी युवा पीढ़ी को खत्म कर रहा है और दूसरी ओर नारकोटिक्स के व्यापार से आने वाला अवैध धन आतंकवाद को भी पोषित करता है। उन्होंने कहा कि देश की युवा पीढ़ी को सुरक्षित रखने और आतंकवाद के वित्त पोषण पर करारा प्रहार करने की दृष्टि से इस लड़ाई को भारत सरकार की सभी ऐजेंसियां, राज्य सरकारों की सभी ऐजेंसियां और पुलिस को एक साझा लड़ाई के रूप में एक स्पिरिट के साथ लड़ना और जीतना होगा।

उन्होंने कहा कि भारत में आज नारकोटिक्स के खिलाफ लड़ाई एक नाजुक और महत्वपूर्ण मोड़ पर है और अगर हम एक ही रणनीति के साथ लड़ते हैं, तो हम जीतेंगे लेकिन अगर हम बिखराव के साथ इसे एक सामान्य अपराध मानकर चलते हैं तो ड्रग्स ऑपरेटर जीतेंगे।

उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता के इस अमृत महोत्सव के वर्ष में प्रधानमंत्री मोदी ने नशा-मुक्त भारत' बनाने का जो लक्ष्य हमारे सामने रखा है, उसमें हमें सफलता प्राप्त करनी ही है और इस दिशा में केन्द्रीय गृह मंत्रालय और भारत सरकार की सभी ऐजेंसियां एकजुट होकर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि आजादी की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य पर 75 दिनों के दौरान 75 हजार किलोग्राम नारकोटिक्स पदार्थों को नष्ट करने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन मोदी के नेतृत्व में समय से पहले ही मात्र 60 दिनों में इस लक्ष्य को प्राप्त कर लिया गया।

उन्होंने कहा कि आज इस विशेष अभियान मे एनसीबी दिल्ली, एनसीबी अहमदाबाद और गुजरात पुलिस द्वारा लगभग 1864 करोड़ रूपए के ड्रग्स का विनष्टिकरण किया जा रहा है। इसके साथ ही अब तक लगभग एक लाख 65 हजार किलोग्राम जब्त मादक पदार्थों का विनष्टिकरण किया जा चुका है।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR MOON TUESDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:100 DrawDate on:25/10/22
1st Prize ₹1 Crore/- 91C 50051
(Including Super Prize Ant)
Cons. Prize ₹1000/- 50051 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
07470 10315 18718 28095 66601 73796 89672 94661 98226 98464
3rd Prize ₹450/-
0053 1592 2231 4287 5385 7134 7692 8179 8493 8671
4th Prize ₹250/-
0033 1288 1723 2400 3185 4256 7377 7579 7752 9506
5th Prize ₹120/-
0099 0249 0258 0297 0323 0461 0640 0651 0674 0756
1045 1101 1224 1689 1972 2027 2060 2203 2235 2267
2269 2350 2523 2530 2583 2584 2713 2739 2754 2779
3058 3098 3227 3320 3327 3696 4239 4260 4302 4398
4483 4523 4527 4555 4581 4589 4627 4695 4700 5149
5161 5360 5456 5536 5647 5672 5879 5887 6075 6173
6620 7049 7080 7208 7341 7393 7509 7515 7587 7637
7712 7876 7940 7948 8068 8092 8184 8247 8258 8348
8406 8564 8611 8695 8819 8961 9087 9239 9240 9249
9276 9320 9386 9586 9615 9659 9764 9904 9907 9922
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR PARROT EVENING
TUESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:200 DrawDate on:25/10/22
1st Prize ₹1 Crore/- 36G 48611
(Including Super Prize Ant)
Cons. Prize ₹1000/- 48611 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
02082 07552 09855 28392 41152 43027 59004 68682 75859 75999
3rd Prize ₹450/-
0387 0664 1455 1522 2303 2738 6651 7218 7669 9815
4th Prize ₹250/-
0008 1377 2400 2717 4092 5229 5770 6226 7954 7975
5th Prize ₹120/-
0079 0080 0099 0123 0147 0269 0291 0401 0472 0666
0717 0799 0836 1007 1022 1255 1370 1401 1552 1629
1646 1709 1722 1907 1912 1981 2000 2077 2099 2119
2129 2148 2204 2209 2338 2340 2580 2607 2861 2870
2962 3159 3177 3211 3336 3345 3387 3548 3685 3750
3798 3829 3961 4004 4178 4212 4253 4499 4592 4713
4935 5028 5137 5254 5256 5335 5448 5557 5572 5594
5648 6053 6081 6123 6235 6563 6564 6731 6913 7202
7272 7393 7415 7431 7442 7463 7573 7605 7830 7993
7994 8129 8230 8586 8651 8839 8863 8887 9217 9904
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR DIWALI KALI PUJA BUMPER
Draw No:4 DrawDate on:25/10/22
1st Prize ₹5 Crore/- 35290
(Including Super Prize Ant)
2nd Prize ₹10 Lakhs/- 83418
(Including Super Prize Ant)
3rd Prize ₹5 Lakhs/- 57575
(Including Super Prize Ant)
4th Prize ₹6000/-
0156 1582 2595 3468 4091 4509 5139 5167 8633 9654
5th Prize ₹5000/-
0345 1567 2219 2547 3672 6911 7439 7496 8565 8727
6th Prize ₹4000/-
0036 0043 0132 0171 0190 0192 0262 0282 0293 0294
0313 0321 0374 0404 0471 0621 0628 0631 0703 0712
0741 0776 0952 1015 1017 1054 1065 1145 1189 1282
1356 1365 1369 1378 1418 1442 1453 1553 1596 1602
1610 1624 1752 1847 1898 1917 1959 2046 2064 2072
2159 2161 2184 2262 2321 2336 2342 2393 2467 2493
2518 2553 2559 2667 2687 2738 2749 2807 2919 2954
3071 3087 3223 3225 3294 3306 3392 3611 3637 3638
3781 3850 4016 4019 4068 4115 4126 4174 4270 4368
4391 4398 4406 4475 4561 4606 4637 4679 4699 4700
4759 4773 4815 4859 4925 4976 5154 5170 5249 5303
5352 5357 5442 5480 5484 5487 5496 5499 5539 5726
5877 5882 5906 5962 5975 6123 6136 6270 6297 6362
6376 6654 6655 6660 6691 6722 6750 6778 6853 6978
7077 7151 7192 7217 7332 7357 7450 7500 7610 7611
7716 7723 7735 7740 7792 7854 7891 7903 7907 7975
8016 8060 8064 8132 8168 8181 8190 8234 8247 8256
8322 8481 8484 8589 8632 8640 8683 8765 8777 8804
8846 8870 8972 8981 8987 9036 9057 9072 9073 9081
9122 9186 9260 9365 9377 9409 9579 9682 9725 9895
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR TORSA MORNING
WEDNESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:100 DrawDate on:26/10/22
1st Prize ₹1 Crore/- 37L 53362
(Including Super Prize Ant)
Cons. Prize ₹1000/- 53362 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
01456 06584 11121 23963 28429 29118 29389 80438 82905 92533
3rd Prize ₹450/-
0481 1137 3669 4198 5766 6205 6832 8219 8979 9876
4th Prize ₹250/-
1030 1396 2820 3350 4679 5306 5518 9270 9616 9952
5th Prize ₹120/-
0041 0100 0255 0430 0486 0531 0594 0756 0832 0896
0897 0942 1003 1058 1097 1158 1327 1336 1529 1535
1568 1915 2002 2103 2166 2309 2403 2652 2673 2928
2951 2983 3078 3110 3111 3136 3272 3286 4274 4289
4540 4600 4808 4877 4919 4952 5428 5439 5734 5801
6167 6225 6256 6272 6338 6390 6409 6487 6718 6737
6794 6937 7015 7078 7226 7242 7418 7451 7484 7568
7786 7804 7913 8030 8038 8128 8160 8301 8320 8360
8373 8404 8513 8656 8760 8817 8861 9050 9179 9317
9328 9526 9558 9564 9631 9675 9776 9849 9923 9996
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR MERCURY WEDNESDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:100 DrawDate on:26/10/22
1st Prize ₹1 Crore/- 82A 25603
(Including Super Prize Ant)
Cons. Prize ₹1000/- 25603 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
06899 10141 19345 22277 27725 41311 86578 90526 92019 99842
3rd Prize ₹450/-
0185 0276 2252 3298 4399 4934 5498 7023 7110 9300
4th Prize ₹250/-
0091 1283 2146 2507 4490 4734 5308 7609 8272 9950
5th Prize ₹120/-
0188 0346 0422 0432 0538 0608 0765 0808 0869 1103
1246 1249 1255 1263 1368 1516 1877 2072 2077 2139
2340 2588 2646 2751 2758 2870 2883 3059 3154 3324
3340 3365 3450 3521 3653 3679 3685 3828 3831 3894
4242 4316 4375 4378 4502 4564 4650 4671 4703 4718
4786 4871 5090 5185 5240 5400 5816 6182 6203 6302
6788 7012 7098 7134 7158 7259 7332 7423 7582 7686
7697 7736 7944 8057 8121 8130 8504 8593 8857 8930
8937 8949 8997 9001 9028 9149 9204 9244 9349 9394
9414 9628 9679 9702 9800 9833 9869 9902 9919 9971
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR EAGLE EVENING
WEDNESDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:200 DrawDate on:26/10/22
1st Prize ₹1 Crore/- 42K 68859
(Including Super Prize Ant)
Cons. Prize ₹1000/- 68859 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
04466 13019 56424 60138 60719 72988 74250 76719 80078 83815
3rd Prize ₹450/-
0867 3151 5592 5923 6182 7834 8084 8864 8920 9210
4th Prize ₹250/-
0289 1350 2084 2108 3359 5348 5367 9392 9552 9645
5th Prize ₹120/-
0014 0101 0201 0378 0484 0500 0516 0517 0737 0813
0964 1186 1312 1374 1384 1606 1640 1659 1665 1761
1883 1908 2047 2259 2261 2472 2526 2539 2553 2565
2887 2914 2950 3045 3240 3351 3442 3496 3501 3860
3961 3995 4088 4179 4386 4468 4566 4597 4621 4671
4683 4771 4782 4908 4945 4962 5041 5095 5104 5332
5386 5400 5436 5483 5534 5573 5676 5817 5822 5938
6268 6271 6347 6445 6755 6849 7038 7295 7556 7636
7828 7920 7964 8072 8139 8218 8274 8359 8361 8372
8421 8536 8791 8990 9104 9449 9500 9755 9916 9931
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

एटमी हथियारों की होड़

चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग पांच साल के तीसरे कार्यकाल के लिए रविवार को चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव चुन लिए गए। इसमें शायद ही किसी को शक रहा हो। इसके लिए सारे जरूरी इंतजाम चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की शनिवार को समाप्त हुई 20वीं कांग्रेस में कर लिए गए थे। इस कांग्रेस के दौरान गठित सर्वशक्तिमान सात सदस्यीय स्टैंडिंग कमिटी में शी के समर्थकों की एंट्री सुनिश्चित की गई और पूर्व प्रधानमंत्री ली समेत सभी संभावित असंतुष्टों को सत्ता केंद्रों से दूर कर दिया गया। हालांकि कांग्रेस की करीब एक सप्ताह चली बैठक लगभग पूरी तरह से शांतिपूर्ण और पूर्वनियोजित ही रही, लेकिन आखिरी दिन पूर्व राष्ट्रपति हू चिनताओ को जिस तरह बैठक स्थल से निकाला गया, उसने थोड़ी असहजता जरूर पैदा की।

बाद में कहा गया कि पूर्व राष्ट्रपति की तबीयत ठीक नहीं थी, इसलिए उन्हें बाहर ले जाना पड़ा। बहरहाल, औपचारिक तौर पर भले ही शी को तीसरा कार्यकाल दिया गया हो, वास्तव में माना यही जा रहा है कि वह आजीवन सत्ता में बने रहेंगे।

इस तरह से चीन में शुरू हो रहे नए दौर को शी युग का नाम दिया जा रहा है। जिन कुछेक खास वजहों से चीन के इस शी युग को पूरी दुनिया के लिए चिंताजनक बताया जा रहा है, उनमें प्रमुख है परमाणु हथियारों की होड़ दोबारा शुरू होने की आशंका। 20वीं पार्टी कांग्रेस के उद्घाटन सत्र में ही शी ने कहा था कि हम सामरिक प्रतिरोध की एक मजबूत व्यवस्था बनाएंगे। शी ने, जो सेंट्रल मिलिट्री कमिशन (सीएमसी) के भी प्रमुख हैं, अपनी 63 पेज की रिपोर्ट में 'पीएलए (पीपल्स लिबरेशन आर्मी) का केंद्रीय लक्ष्य हासिल करना और राष्ट्रीय रक्षा तथा सेना का आधुनिकीकरण' शीर्षक से सेना को समर्पित पूरा एक अध्याय शामिल किया है। उन्होंने अनमैंड कॉम्बैट की क्षमता तेजी से विकसित करने और नेटवर्क इन्फॉर्मेशन सिस्टम के विकास और इस्तेमाल को बढ़ावा देने का भी आह्वान किया।

इसका मतलब यही है कि उनके नेतृत्व में चीन अपनी परमाणु प्रतिरोध क्षमता को मजबूती देगा। इससे भारत को भी परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ानी पड़ सकती है। अभी चीन-पाकिस्तान के मुकाबले भारत के पास कम परमाणु हथियार हैं। इसके अलावा, अगर चीन को उसका पुराना गौरव वापस दिलाने की शी की घोषित नीति और उसके आक्रामक तेवर को ध्यान में रखें तो आने वाले दिनों के लिए ये संकेत सकारात्मक नहीं कहे जा सकते। यह अकारण नहीं है कि जापान ने शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के साथ नया द्विपक्षीय सुरक्षा समझौता किया, जिसमें मिलिट्री, इंटेलिजेंस और सायबर सिक्यॉरिटी में सहयोग बढ़ाने पर खास जोर दिया गया है।

इस बीच यह खबर भी आई है कि चीन और पाकिस्तान सीपीईसी (चाइना-पाकिस्तान इकॉनमिक कॉरिडोर) के अलावा तीन और कॉरिडोर के साझा प्रॉजेक्ट शुरू कर सकते हैं। जाहिर है, आने वाले दौर में अंतरराष्ट्रीय शांति कायम रखने की कोशिशें तेज करने की जितनी जरूरत होगी, सतर्कता के साथ हर तरह के हालात से निपटने की तैयारी रखना भी उतना ही अहम होगा।

कहां अटका सफाई अभियान

विनीत नारायण

जब 2014 में नरेन्द्र मोदी ने सत्ता में आते ही स्वच्छता के प्रति जोर-शोर से एक अभियान छेड़ा था तो सभी को लगा कि जल्द ही इसका असर जमीन पर भी दिखेगा।

इस अभियान के विज्ञापन पर बहुत मोटी रकम खर्च की गई। कुछ ही महीनों में मोदी सरकार की प्राथमिकताएं दिखनी भी शुरू हो गई। जितनी तीव्रता से इस विचार को सामने लाया गया उससे नई सरकार के योजनाकार भी भौचक्के रह गए। प्रधानमंत्री मोदी ने सफाई के काम को छोटा सा काम बताया था पर अब तक का अनुभव बताता है कि सफाई का काम उन बड़े-बड़े कामों से कम खर्चीला नहीं है, जिनके लिए सरकारें हमेशा पैसे की कमी का रोना रोती रही हैं। आज आठ साल बाद भी देश की राजधानी दिल्ली के ही पॉश इलाकों तक में पर्याप्त सफाई नहीं दिखती। जगह-जगह कूड़े के ढेर दिखाई देते हैं।

प्रश्न है कि क्या इसके लिए केवल सरकार जिम्मेदार है? क्या स्वच्छता के प्रति हम नागरिकों का कोई दायित्व नहीं है? सोचने वाली बात है कि अगर देश की राजधानी का यह हाल है तो देश के बाकी हिस्सों में क्या हाल होगा? देश के 50 बड़े शहरों में साफ-सफाई के लिए क्या कुछ करने कोशिश नहीं की गई? रोचक बात यह है कि 600 से ज्यादा जिला मुख्यालयों में जिला प्रशासन और स्थानीय प्रशासन अगर वाकई किसी मुद्दे पर आंखें चुराते हुए दिखते हैं, तो वह साफ-सफाई का मामला ही है। उधर, देश के 7 लाख गांवों को इस अभियान से जोड़ने के लिए हम न जाने कितने साल से लगे हैं यानी कोई कहे कि इतने छोटे से काम पर पहले किसी का ध्यान नहीं गया तो यह बात ठीक नहीं होगी।

महत्त्वपूर्ण बात यह होगी कि इस सार्वभौमिक समस्या के समाधान के लिए व्यावहारिक उपाय ढूंढने के काम पर जुटा जाए तो शायद सही दिशा में अच्छे परिणाम आएंगे। इसके लिए नागरिकों और सरकार की सहभागिता के बिना कुछ नहीं होगा। गांधी जयंती पर केंद्र या राज्य सरकारों के तमाम मंत्री जिस तरह खुद झाड़ू लेकर सड़कों पर सफाई करते दिखाई देते हैं, उससे लगता है कि इस समस्या को कर्त्तव्यबोध बता कर निपटने की बात सोची गई थी। यानी हम मान रहे हैं कि नागरिक जब तक अपने आसपास का खुद ख्याल नहीं रखेंगे तब तक कुछ नहीं होगा। खुद ख्याल रखने की इस बात पर भी गौर करना जरूरी है। शोधपरक तथ्य तो उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन सार्वभौमिक अनुभव हैं कि देश के मोहल्लों या गलियों में इस बात पर झगड़े होते हैं, कि मेरे घर के पास कूड़ा क्यों फेंका? यानी समस्या यह है कि घर का कूड़ा-कचरा इकट्ठा करके कहां फेंका जाए? स्वयंसेवी संस्था निर्मला कल्याण समिति के एक सर्वेक्षण का निष्कर्ष है कि उपनगरीय इलाकों में घर का कूड़ा फेंकने के लिए लोगों को आधा किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। जाहिर है कि देश के 300 कस्बों में लोगों की तलाश बसावट के बाहर कूड़ा फेंकने की है। खास तौर पर उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश का अनुभव यह है कि हमारे बेशकीमती जल संसाधन मसलन, तालाब, कुंड और कुएं कूड़ा-कचरा फेंकने के खड्ड बन गए हैं। इन नये घूरों और खड्डों की भी अपनी सीमा थी और अब हर जगह ये घूरे और कूड़े से पट गए हैं।

आने वाले समय में नई चुनौती यह खड़ी होने वाली है कि शहरों और कस्बों से निकले कूड़े-कचरे के पहाड़ हम कहां-कहां बनाएं? उसके लिए जमीनें कहां ढूंढें? दिल्ली जैसे महानगर में भी कूड़ा इकट्ठा करने के स्थान भर चुके हैं, और यहां भी कूड़ा इकट्ठा करने के लिए नये स्थान खोजे जा रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय पूर्वी दिल्ली में बने कूड़े के पहाड़ को लेकर दिल्ली सरकार की खिंचाई कर रहा है। गांव भले ही अपनी कमजोर माली हालत के कारण कूड़े-कचरे की मात्रा से परेशान न हों लेकिन जनसंख्या के बढ़ते दबाव के चलते वहां बसावट का घनत्व बढ़ गया है। गावों में तरल कचरा पहले कच्ची नालियों के जरिये भूमिगत जल में मिल जाता था। अब यह समस्या है कि गावों से निकली नालियों का पानी कहां जाए? इसके लिए भी गावों की सबसे बड़ी धरोहर पुराने तालाब या कुंड गंदी नालियों के कचरे से पट चले हैं। यह कहने की तो जरूरत है ही नहीं कि बड़े शहरों और कस्बों के गंदे नाले यमुना जैसी देश की प्रमुख नदियों में गिराए जा रहे हैं। चाहे विभिन्न प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड हों और चाहे पर्यावरण पर काम करने वाली स्वयंसेवी संस्थाएं और चाहे कितनी भी चिंतित सरकारें हों, ये सब गंभीर मुद्रा में चिंता करते हुए दिखते तो हैं, लेकिन सफाई जैसी बहुत छोटी या बहुत बड़ी समस्या पर गंभीर कोई नहीं दिखता। अगर ऐसा होता तो ठोस कचरा प्रबंधन, औद्योगिक कचरे के प्रबंधन, नदियों और सरोवरों या कुंडों के प्रदूषण की स्वच्छता और स्वास्थ्य जैसे विषयों पर भी हमें बड़े अकादमिक आयोजन होते जरूर दिखाई देते।

विभिन्न अंतरराष्ट्रीय दिवसों और राष्ट्रीय दिवसों पर सरकारी पैसे से कुछ सेमीनार और शोध सम्मेलन होते जरूर हैं, लेकिन उनमें समस्याओं के विभिन्न पक्षों की गिनती से ज्यादा कुछ नहीं हो पाता। ऐसे आयोजनों में आमंत्रित करने के लिए विशेषज्ञों का चयन करते समय लालच यह रहता है कि संबंधित विशेषज्ञ संसाधनों का प्रबंध करने में भी थोड़ा बहुत सक्षम हों। और होता यह है कि ऐसे समर्थ विशेषज्ञ पहले से चलती हुई यानी चालू योजना या परियोजना के आगे सोच ही नहीं पाते जबकि जटिल समस्याओं के लिए हमें नवोन्मेषी मिजाज के लोगों की जरूरत पड़ती है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थानों, प्रबंधन प्रौद्योगिकी संस्थानों और चिंताशील स्वयंसेवी संस्थाओं के समन्वित प्रयासों से, अपने-अपने प्रभुत्व के आग्रह को छोड़ कर, एक दूसरे से मदद लेकर ही स्वच्छता जैसी बड़ी समस्या का समाधान खोजा जा सकता है पर हर समस्या को समस्या बनाकर रखने की अभ्यस्त नौकरशाही इस समस्या को भी अपनी लालफीताशाही की फाइलों में कैद रखने में ही अपनी कामयाबी समझती है। इसलिए कोई हल नहीं निकल पाता।

हिमाचल प्रदेश की मनोरम घाटी हों या सागर के रमणीक तट, तेज रफ्तार से दौड़ती रेलगाड़ियों की खिड़की के दोनों ओर की रेल विभाग की जमीनें, हर ओर कूड़े का विशाल साम्राज्य देख कर कलेजा मुंह को आता है। पश्चिमी देशों की नजर में भारत सबसे गंदे देशों में से एक है। ये हम सबके लिए शर्म की बात है। हम सबको सोचना होगा और इस दिशा में कुछ ठोस करना होगा।

सरकारी नौकरियों का इंतजार भारी

विवेक कौल

पिछले सप्ताह उत्तर प्रदेश प्रारंभिक पात्रता परीक्षा (यूपीपीईटी) के लिए यात्रा करने वाले युवाओं की तस्वीरें और वीडियो वायरल हुए थे। ऐसा अनुमान है कि लगभग 38 लाख उम्मीदवारों ने इस परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया था, जिनमें से कुछ सचमुच अपने परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के लिए जान की बाजी लगाकर ट्रेन से सफर कर रहे थे। रेलवे स्टेशन खचाखच भरे थे और रेलों की बोगियां भी।

आमतौर पर सरकारी नौकरियों के लिए होने वाली परीक्षाएं उम्मीदवारों को उनके घर, गांव या कस्बे, शहर में परीक्षा देने की मंजूरी नहीं देती हैं, जिसके चलते उन्हें अपने उन परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के लिए यात्राएं करनी पड़ती हैं, जो अक्सर दूर होते हैं।

1990 के दशक में बिहार सरकार द्वारा संचालित इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रवेश पाने के लिए परीक्षा देने के दौरान मुझे इसी तरह के हालात का सामना करना पड़ा था। जब मैं रांची में रहता था, जो उस समय दक्षिण बिहार (और अब झारखंड) में था, मेरा परीक्षा केंद्र उत्तर बिहार के मुजफ्फरपुर में था। मुजफ्फरपुर जाने वाली बसें और ट्रेनें खचाखच भर गई थीं। शहर में होटल और लॉज थे, लेकिन कई छात्रों को रेलवे स्टेशन पर परीक्षा से पहले रात बितानी पड़ी थी। छात्रों की इस अचानक पहुंची भारी भीड़ को संभालने की क्षमता न तो मुजफ्फरपुर और न ही भारतीय रेलवे के पास थी।

बहरहाल, आखिर सरकारी नौकरियों के प्रति इतना आकर्षण क्यों है? वास्तव में निचले और मध्यम स्तर की सरकारी नौकरियां अधिकांश निजी नौकरियों की तुलना में बहुत बेहतर कमाई का जरिया होती हैं। नवंबर 2015 में अपनी रिपोर्ट प्रकाशित करने वाले सातवें वेतन आयोग ने अहमदाबाद में भारतीय प्रबंधन संस्थान को इस मुद्दे का अध्ययन करने के लिए कहा था। संस्थान की रिपोर्ट में एक अध्ययन के हवाले से कहा गया था कि एक सामान्य हेल्पर, जो सरकार में सबसे कम रैंक वाला कर्मचारी होता है, का कुल वेतन-भत्ता 22,579 रुपये है, जो निजी क्षेत्र के उपक्रमों के एक सामान्य हेल्पर के वेतन-लाभ से दोगुना है। निजी क्षेत्र में इसी रैंक के हेल्पर 8,000 से 9,500 रुपये तक पाते हैं।

यह परिदृश्य साफ तौर पर नहीं बदल रहा है। इसके अलावा, एक सरकारी नौकरी पक्की नौकरी की सुरक्षा के साथ आती है, यह कुछ ऐसा है, जो महामारी के बाद की दुनिया में और भी महत्वपूर्ण हो गया है। इससे पता चलता है कि क्यों हम नियमित रूप से निम्न स्तर की सरकारी नौकरियों के लिए भी इंजीनियरों, पीएचडी और एमबीए धारकों को आवेदन करते देखते हैं।

दिलचस्प बात है कि सरकारी नौकरियों के प्रति आकर्षण अन्य विकासशील देशों में भी खूब दिखाई देता है। जैसा कि अभिजीत बनर्जी और एस्थर डुफ्लो गुड इकोनॉमिक्स फॉर हार्ड टाइम्स में इन देशों के संदर्भ में लिखते हैं : सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारी निजी क्षेत्र के औसत वेतन से दोगुने से अधिक कमाते हैं और इसमें उदार स्वास्थ्य सुविधा तथा पेंशन लाभों की गिनती नहीं हो रही है। यह लोगों की धारणा को उस ओर ले जाता है, जहां सरकारी क्षेत्र की नौकरियां निजी क्षेत्र की नौकरियों की तुलना में बहुत अधिक मूल्यवान लगने लगती हैं। लगभग हर किसी को इनका इंतजार रहता है।

अक्सर होता यह है कि एक युवा के कामकाजी जीवन का एक अच्छा-खास हिस्सा इंतजार में ही खर्च हो जाता है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी द्वारा प्रकाशित बेरोजगारी के आंकड़ों में यह स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। सितंबर 2022 में 20-24 वर्ष की आयु वर्ग के लिए बेरोजगारी दर 41.9 प्रतिशत थी। 25-29 वर्ष के आयु वर्ग में बेरोजगारी दर 9.8 प्रतिशत थी। इसके अलावा, बेरोजगारी लगभग न के बराबर थी।

अब यह हमें क्या बताता है? यह हमें बताता है कि जैसे ही किसी व्यक्ति की उम्र 30 वर्ष होती है, बेरोजगारी एक घटना के रूप में लगभग लुप्त हो जाती है। इस समय तक उम्र बढ़ जाती है और कई युवा ज्यादातर सरकारी नौकरियों के अयोग्य हो जाते हैं या परीक्षा लिखने के लिए जितने मौके मिलते हैं, वो समाप्त हो जाते हैं। यह स्थिति उन्हें निजी क्षेत्र में अनौपचारिक नौकरी करने या वैकल्पिक रूप से स्वरोजगार के लिए मजबूर करती है और इससे भारतीयों के लिए बेरोजगारी दर घट जाती है।

एक अर्थशास्त्री ने इसके लिए समाधान बताया है कि सरकारी नौकरियों में वेतन की कटौती की जाए और सरकारी वेतन को असंगठित निजी क्षेत्र के अनुरूप लाया जाए, लेकिन यह व्यावहारिक नहीं है। जैसा कि बनर्जी और डुफ्लो बताते हैं, कई विकासशील देशों के श्रम बाजारों में यह द्वंद्व विशेषता है, बिना किसी सुरक्षा के एक बड़ा असंगठित क्षेत्र है, जिसमें कई लोग बेहतर विकल्पों की कमी के चलते स्व-रोजगार करने लगते हैं, या संगठित क्षेत्र में नौकरी मिलने का इंतजार ही करते रहते हैं। संगठित क्षेत्र में कर्मचारियों से न केवल लाड़- प्यार किया जाता है, बल्कि उन्हें दृढ़ता से संरक्षित भी किया जाता है। इसके कई दुष्परिणाम हैं। अव्वल तो कई युवा एक सरकारी नौकरी का पीछा किए बिना अपनी जिंदगी के सबसे अच्छे वर्ष बिताते हैं। दूसरा, निष्क्रिय युवा सामाजिक स्थिरता के लिए हानिकारक हैं। तीसरा, सरकारी नौकरी के प्रति अत्यधिक मोह की यह प्रवृत्ति अर्थव्यवस्था में समग्र निजी खपत को नुकसान पहुंचाती है। पीटर जीहान द एंड ऑफ द वर्ल्ड इज जस्ट द बिगिनिंग : मैपिंग द कोलैप्सेस ऑफ ग्लोबलाइजेशन में लिखते हैं, एक व्यक्ति अपना अधिकांश खर्च 15 और 45 की उम्र के बीच करता है, यही जीवन की खिड़की है, जब लोग कार खरीद रहे होते हैं (भारतीय संदर्भ में दोपहिया वाहन), घर खरीद रहे होते हैं, इस तरह की खपत वाली गतिविधि ही अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाती है। अत: 30 वर्ष की आयु तक पहुंचने तक कई युवा जब बेरोजगार रहते हैं, तो अर्थव्यवस्था को वैसी गतिशीलता या तेजी नहीं मिल पाती है, जैसी मिलनी चाहिए।

अंत में, यहां कम खपत का तात्पर्य भारतीय अर्थव्यवस्था में वस्तुओं व सेवाओं की कम मांग से है।

इसका मतलब है कि क्या व्यवसायों को अपनी क्षमता का विस्तार करने की जरूरत नहीं है? रिजर्व बैंक के आंकड़े बताते हैं कि भारत में विनिर्माण कंपनियां एक दशक से अपनी क्षमता का तीन-चौथाई से कम उपयोग कर रही हैं। ऐसे में, निजी क्षेत्र में कम नौकरियों का सृजन हो रहा है, इसीलिए बेरोजगारी है।

संवेदनहीन होता समाज

कन्नौज के एक सरकारी गेस्ट हाउस के अहाते में दर्द से तड़पती, मदद के लिए हाथ थाम लेने की गुहार लगाती 12 साल की बच्ची और उसे अस्पताल पहुंचाने के बजाय मोबाइल से उसकी तस्वीरें उतारती भीड़ का वायरल वीडियो जहां शर्मसार करने वाला है, तो वहीं स्थानीय चौकी प्रभारी मनोज पांडेय का उसे गोद में लेकर अस्पताल की ओर दौड़ पड़ने का दृश्य यह भरोसा देता है कि अभी सब कुछ रीता नहीं है। इस पुलिस अधिकारी की जितनी भी सराहना की जाए, कम है। प्रारंभिक सूचना के मुताबिक, बच्ची इतवार शाम बाजार से गुब्बारे खरीदने निकली थी, मगर देर रात तक घर नहीं पहुंची, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। बच्ची की हालत गंभीर है, और उसे कानपुर इलाज के लिए ले जाया गया है। इस घटना की तफसील तो मुकम्मल पुलिस जांच से पता चल सकेगी, लेकिन इसे इंसानियत की कसौटी पर परखे जाने की जरूरत है।

यह पहली बार नहीं है, जब ऐसा वीडियो सामने आया है। यह प्रवृत्ति बढ़ती ही जा रही है और एक सभ्य समाज के तौर पर यह हमारे लिए चिंता की बात होनी चाहिए। एक दौर था, जब सड़क दुर्घटनाओं में लोग किसी की मदद से कतराते थे कि पुलिस के लफड़े में कौन पड़े? इस सोच को हमारी नागरिक व्यवस्था पर एक नकारात्मक टिप्पणी के रूप में लिया जाता था। मगर हाल के वर्षों में सड़क-सुरक्षा संबंधी कायदे-कानूनों में सुधार और सरकारों की प्रोत्साहन-योजनाओं से लोग अब मदद के लिए आगे आने लगे हैं। यकीनन, इस बदलाव से अनगिनत लोगों की जान बची है। मगर स्मार्टफोन और सोशल मीडिया की बढ़ती लोकप्रियता ने किसी आशंका व भयवश मदद से गुरेज को दूसरों की पीड़ा में आनंद की तलाश तक पहुंचा दिया है। आखिर एक तड़पती बेबस बच्ची का वीडियो बनाने या उसकी तस्वीर उतारने के पीछे और क्या मकसद हो सकता है?

निस्संदेह, मानव-सभ्यता के विकास में प्रौद्योगिकी ने अहम रोल निभाया है, मगर मनुष्यता का सफर हमने मानवीय मूल्यों के सहारे ही तय किया है। इसीलिए जब कभी कोई इन मूल्यों से दूर जाते दिखता है, तो चिंता होती है। होनी चाहिए। दुनिया का कोई भी समाज सिर्फ तंत्र और सरकार के भरोसे आगे नहीं बढ़ सकता, उसे अपने कर्तव्यों का भी सम्यक निबाह करना होता है। जो लोग कन्नौज की लहूलुहान बच्ची को फौरन अस्पताल ले जाने की जगह उसकी तस्वीरें उतारने में मशगूल थे, क्या उन्होंने अपने नागरिक धर्म का निर्वाह किया? ऐसे तमाशाई लोगों के खिलाफ भी क्यों नहीं कार्रवाई होनी चाहिए? मोबाइल वीडियो और सोशल मीडिया के जरिये किसी उत्पीड़न, शोषण या कमी को उजागर करना यदि सराहनीय कार्य है, तो किसी की तकलीफ का तमाशा बनाना भी आपराधिक कृत्य है। देश भर में बच्चियों और महिलाओं के साथ बढ़ते अपराध में इस आभासी सुख का बड़ा योगदान है और इसे हतोत्साहित करने की जरूरत है। विडंबना देखिए कि ऐसे लोगों के चेहरे को बेनकाब भी किसी ने इसी माध्यम के सहारे किया है।

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना ने दशकों पहले इंसान होने की आसान कसौटी बताई थी- यदि तुम्हारे घर के/ एक कमरे में आग लगी हो/ तो क्या तुम/ दूसरे कमरे में सो सकते हो?/ यदि तुम्हारे घर के एक कमरे में/ लाशें सड़ रही हों/ तो क्या तुम/ दूसरे कमरे में प्रार्थना कर सकते हो? हमें अपने समाज को इस स्थिति में पहुंचने से रोकना होगा। उसके भीतर यदि कुछ सड़ रहा है, तो उसका उपचार जरूरी है।

नहीं रुक रहा पराली जलाना

वीरेंद्र कुमार पैन्यूली

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में शीतकालीन स्मॉग की स्थितियां तेजी से बन रही हैं, जिसका एक कारण पराली का जलाया जाना है। पराली जलने पर विभिन्न आकार के कणीय प्रदूषकों के साथ ही मीथेन, कार्बन मोनोक्साइड, ब्लैक कार्बन जैसे जहरीले प्रदूषक भी उत्सर्जित होते हैं। मशीनों से धान कटाई के कारण यह समस्या बड़े खेतों में ज्यादा उभरी है, क्योंकि मशीनें फसलों के लंबे ठूंठ खेतों में छोड़ देती हैं। जब हाथों से फसल कटाई होती है, तो उन्हें जमीन के पास तक काटा जा सकता है।

भारत में राष्ट्रीय फसल अवशेष प्रबंधन एनपीएमसीआर, 2014 की नीति अस्तित्व में है। फिर भी सारे जागरूकता कार्यक्रमों व प्रतिबंध, दंड या प्रोत्साहन के सरकारी उपायों व अपीलों के बावजूद फसल अवशेषों को जलाने की घटनाएं जारी हैं। किसान अब दक्षिण भारत में भी पराली को खेत में ही जला रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण के समाधान को स्थायित्व देने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग अपनी सख्ती दिखा रहा है।

इस क्षेत्र में पड़ने वाले जिलों के जिलाधिकारियों को तुरंत पराली जलाने की घटनाओं की रिपोर्टिंग व घटनाओं को अंजाम देने वालों पर मुकदमे कायम करने को कहा गया है। वर्ष 2015 में राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण ने उत्तर प्रदेश, राजस्थान हरियाणा और पंजाब में पराली जलाना प्रतिबंधित कर दिया था, और इसे अपराध भी घोषित कर दिया गया था। पर पिछले साल कृषि कानूनों के खिलाफ चले किसान आंदोलन के बाद इसे अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया गया है।

हालांकि जगह-जगह स्थानीय प्रशासन पराली जलाने पर रोक लगाने के विभिन्न दंडात्मक प्रावधान लागू कर रहे हैं। दिल्ली के 2022 विंटर ऐक्शन प्लान में पराली प्रबंधन पर भी जोर है। दिल्ली सरकार द्वारा विगत तीन अक्तूबर से वायु प्रदूषण से निपटने के लिए स्थापित ग्रीन वार रूम में पराली जलाने के मामलों की रियल टाइम डाटा मॉनीटरिंग हो रही है। हरियाणा सरकार ने भी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में शामिल अपने जिलों में पराली जलाने पर रोक लगा रखी है।

हालांकि किसान आम जन की भूख मिटाने के लिए ही अनाज पैदा करता है, लिहाजा उसे ही पराली जलाने का अपराधी न माना जाए। अनेक राज्यों में खेतों में फसल जलाने पर दंड के प्रावधान हैं, जो ऋणग्रस्त किसानों के लिए एक और मुश्किल है। पंजाब सरकार ने किसानों से पर्यावरण बचाने में मदद करने की अपील की है। वहां सरकार की मुश्किल यह है कि किसान छह हजार रुपये प्रति एकड़ सहायता मांग रहे हैं, जबकि सरकार के लिए 2,500 रुपये प्रति एकड़ देना भी मुश्किल है।

उसने 2,500 में से 1,500 रुपये प्रति एकड़ की मदद के लिए केंद्र से अनुरोध किया था, पर केंद्र ने मदद देने से इनकार कर दिया है। दिल्ली सरकार पिछले साल से ही दावा कर रही है कि पूसा बायो डिकंपोजर के व्यापक नि:शुल्क उपयोग के कारण दिल्ली के खेतों में पराली गलकर खाद बन जाती है, किंतु पंजाब के किसानों में इसकी स्वीकार्यता नहीं देखी गई है। ऐसी ही नकारात्मक स्थिति पराली प्रबंधन मशीनों को लेकर भी है।

पंजाब सरकार किसानों को रियायती दर पर एक लाख बाईस हजार पराली प्रबंधन मशीनें उपलब्ध करा चुकी है। आगे भी उसने मशीनों की आपूर्ति जारी रखने का भरोसा दिया है। पर जो मशीनें दी गई हैं, उनमें से एक तिहाई ही उपयोग में हैं। पूरे देश में सालाना फसल अपशिष्टों में करीब 34 प्रतिशत अपशिष्ट धान के होते हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पंजाब और हरियाणा में सालाना 270 लाख टन धान की पराली पैदा होती है, जिनमें से 64 लाख टन का प्रबंधन नहीं हो पाता। सरकारें जब जानती हैं कि पराली के खुले में खेतों में जलाने के आर्थिक व पर्यावरणीय हानि हैं, तो वे किसानों से समर्थन मूल्य पर पराली खरीद सकती हैं। फिर मनरेगा के तहत पराली से खाद बनाने की मजदूरी दी जा सकती है। पराली का उपयोग पैकिंग सामग्री, कागज, बोर्ड, मशरूम उत्पादन, बायो एथनॉल, बिजली उत्पादन आदि में किया जा सकता है। पराली से जैविक खाद बनाने का काम भी हो सकता है। पर विडंबना यह है कि पराली के प्रबंधन के मामले में सरकारों का रवैया भी दूरदर्शिता भरा नहीं है।

पेंच पार्क में दिखते हैं कुदरत के अनोखे रंग

महाराष्ट्र के नागपुर और मध्य प्रदेश के सिवनी के बीच 'पेंच नेशनल पार्क' ऐसी जगह है जहां रुखे व्यवहार वाला आदमी भी कुछ दिन रुक जाए तो वह भी काव्यात्मक लहजे में बातें करने लगेगा। पेंच की खूबसूरती को समझने के लिए 292 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले इस घने जंगल में आपको घूमना पड़ेगा।

जिन जगहों पर कुदरत दिल से मेहरबान रही है उनमें से पेंच भी एक है। पेंच आने वाले पर्यटकों का पहला सामना अपनी उछलकूद में मग्न बंदरों से होता है। कच्ची मगर सलीकेदार सड़क के चारों ओर घने झुरमुटों में से स्वछंद विचरते हिरण, सांभर और चीतल जरूर ठुमक कर पर्यटकों का स्वागत करते हैं मगर अपनी उत्सुक निगाहों को आप से हटा कर कुलाचें भरने का यह सिलसिला यहीं खत्म नहीं होता। हर दूसरे मोड़ पर ये दोबारा आपके सामने नजर आ जाते हैं।

पेंच में शेर का दिखना मौके की बात है। यहां विचरते समय बीच-बीच में आपको नीलगाय, जंगली भैंसा, जंगली सूअर और जंगली कुत्ता आदि के साथ ही अन्य जंगली जानवर भी देखने को मिलेंगे।

पेंच में कुछ घंटे गुजरने के साथ ही आपको खुद ब खुद महसूस होगा कि स्वच्छ हवा या आक्सीजन क्या होती है। सुबह-शाम पक्षियों की संगीतमय चहचहाहट के जादू से बच पाना भी किसी के बूते की बात नहीं है और न ही रंगबिरंगे पक्षी संसार को इतने नजदीक से देखने का अवसर चूकने की।

पेंच नेशनल पार्क में अब रुकना भी सरल हो गया है। मध्य प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम ने पर्यटकों के प्रति अपनी गंभीरता को समझते हुए किपलिंग कोर्ट का निर्माण करवाया है। 20 कमरों का तमाम आधुनिक सुख-सुविधाएं लिए किपलिंग कोर्ट मोगली के जंगल में आप का घर ही है। किपलिंग कोर्ट के कमरे आम होटलों जैसे एक-दूसरे से सटे नहीं हैं और न ही आमने-सामने हैं। यह एक छोटी बस्ती की तरह चारों तरफ दोमंजिला शक्ल में फैले हुए हैं।

नागपुर और सिवनी के बीच खवासा गांव उतर कर मात्र 10 किलोमीटर अंदर जाकर जब पेंच का जीवन तबियत से जीने की इच्छा हो तो जरूरी है कि आप चश्मा ले जाएं, दूरबीन भी और कैमरा भी। जीप से घूमते समय पानी की बोतल साथ रखें। खाने-पीने के लिए गेट पर काफी रेस्तरां हैं साथ ही वन विभाग की कैंटीन और रेस्ट हाउस भी यहां उपलब्ध हैं।

मौसम कोई भी हो, पेंच में सुबह-सुबह सर्दी का एहसास जरूर होता है। सर्दियों में शाम भले ही किपलिंग कोर्ट के अंदर कमरे में कुछ सोचते, गुनगुनाते, थिरकते या नीचे मैदान में बैठ साथी पर्यटकों से बातचीत करते गुजारी जाए लेकिन गर्मियों की शाम में अगर बगैर दीवारों वाले तितली रेस्तरां में कुछ ठंडा-गरम पिया जाए तो पेंच आने की कीमत वसूल हो जाती है।

वनों का सुंदर उपहार कोडैकनाल

कोडैकनाल भारत का एक आकर्षक पहाड़ी पर्यटन स्थल है जो तमिलनाडु राज्य में बसा डिंडागुल जिले का एक शहर है। यह समुद्र तल से 2133 मीटर की ऊंचाई पर एक पठार के ऊपर है। तमिल में कोडैकनाल का अर्थ वन का उपहार है। कोडै शब्द के चार अलग-अलग अर्थ होते हैं- पहला 'जंगल का अंतिम छोर', दूसरा 'लताओं का जंगल', तीसरा 'गर्मियों का जंगल' और चौथा 'जंगल का उपहार'। यहां की प्राकृतिक सुंदरता के कारण इसे 'हिल स्टेशनों की राजकुमारी' भी कहते हैं

कोडैकनाल हिल रिजॉर्ट अपनी सुंदरता और शांत वातावरण से सबको सम्मोहित कर लेता है। यहां घूमने का मजा कुरिंजी नामक फूल के खिलने के समय दोगुना हो जाता है। हालांकि यह फूल बारह साल में एक बार खिलता है। यहां के लोग कुरिंजी के फूल को देखना अपनी शान समझते हैं। जब यह खिलता है तो पहाड़ियों की सुंदरता देखते बनती है। इसकी खुशबू मदहोश कर देने वाली होती है। विशाल चट्टान, शांत झील, फलों के बागीचे और पाइन के जंगलों से आती शुद्ध हवा यहां के वातावरण को सुगंधित और गुलजार बना देती है। कोडैकनाल का उल्लेख ईसा पूर्व के संगम साहित्य में मिलता है। पलानी हिल्स के आसपास के क्षेत्र में उस समय पेलियंस और पुलयंस नामक आदिम जनजाति निवास करती थी। 1845 में अंग्रेजों ने यहां हिल स्टेशन स्थापित किया था। ब्रिटिश प्रशासकों और मिशनरियों का यह पसं दीदा हिल स्टेशन था। कोडैकनाल की स्थापना 1863 में हुई थी। इस सूबसूरत शहर के दर्शनीय स्थल-

कोडैकनाल झील

इस खूबसूरत सितारानुमा झील का निर्माण एक अंग्रेज ने किया था। जो 60 एकड़ क्षेत्र में फैली हुई है। इसके चारों ओर की हरियाली पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। इस झील का बोट क्लब रोमांचक रेसिंग ट्रिप की सुविधा उपलब्ध कराता है।

कोकर्स वाक

लेफ्टिनेंट कोकर के नाम से इस स्थान का नाम कोकर्स वाक पड़ा। कोकर ने कोडैकनाल का मानचित्र तैयार किया था। यह शहर से एक किलोमीटर दूर मनमोहक पर्यटन स्थल है। यहां से आसपास की पहाड़ियों तथा मदुरै शहर का दृश्य बहुत ही सुंदर दिखाई देता है। मैदानों से खूबसूरत दिलकश नजारों का लुत्फ लिया जा सकता है। यहां की प्रसिद्ध पिलर रॉक्स चट्टानें कोडैकनाल से 7.4 किलोमीटर दूर हैं। ये 122 मीटर ऊंची है, जो देखने में बहुत ही खूबसूरत लगती हैं। यह स्थान पिकनिक के लिए भी उपयुक्त है।

ब्रायंट पार्क

बेरियम झील के पूर्व दिशा में फैला ब्रांयट पार्क स्थित है। यह पार्क फूलों तथा संकर प्रजाति के विभिन्न पेड़-पौधों के लिए जाना जाता है। यहां एक ग्लास हाउस में विभिन्न किस्म के फूल खिले रहते हैं। मई महीने में यहां उद्यान मेला लगता है।

बेरियम झील

यह खूबसूरत झील पिकनिक के लिए लोकप्रिय स्थल है। प्राकृतिक सुंदरता से भरी यह झील कोडै कनाल बस स्टे शन से 21 किलोमीटर दूर है। इस झील से पेरियाकुलम नगर को पानी की सप्लाई होती है। झील की खोज और सुधार कार्य ब्रिटिश आर्मी कर्नल हेमिल्टन द्वारा 1864 में किया गया था।

शेनबागानूर संग्रहालय

झील से 5 किलोमीटर की दूरी पर यह संग्रहालय स्थित है। इसकी देखरेख सेक्रेड हार्ट कॉलेज द्वारा की जाती है। यहां का आर्किडोरियम भारत के सबसे बेहतर आर्किडोरियम में से एक माना जाता है।

कुरिंजी अंदावर मंदिर

यह मंदिर कोडैकनाल से 3.2 किलोमीटर दूर है। यहां पर 'लार्ड मुरुगन' की एक आकर्षक प्रतिमा रखी हुई है। यहां से पलानी पहाड़ियों तथा वैगाई डैम का खूबसूरत दृश्य मन को मोह लेता है।

बीयरशोला फाल

यह खूबसूरत पिकनिक स्थल कोडैकनाल से 16 किलोमीटर दूर है। यहां अक्सर भालुओं को पानी पीते देख जा सकता है। भालुओं की उपस्थिति के कारण इस झरने का नाम बीयरशोला पड़ा।

सिल्वर कासकेड प्रपात

यह आकर्षक जलप्रपात कोडैकनाल झील से 8 किलोमीटर दूर है। झील का अतिरिक्त जल 180 फीट की ऊंचाई से झरने के रूप में गिरता है। यहां के शांत और सौम्य वातावरण का पर्यटक भरपूर आनंद लेते हैं।

बोट क्लब

यह बोट क्लब 1910 में स्थापित किया गया था। 1932 से पहले यह आम लोगों और पर्यटकों के लिए नहीं था। मात्र कुछ चुनिंदा सदस्य ही बोटिंग का आनंद ले सकते थे। बाद में पर्यटकों और आम लोगों को भी सुविधा दे दी गई।

वेधशाला

कोडैकनाल से 3.2 किलोमीटर दूर स्थित इस वेधशाला का निर्माण 1899 में किया गया था। 2347 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह वेधशाला कोडैकनाल की सबसे ऊंची जगह है। यहां से प्रकृति का अद्भुत नजारा दिखता है।

टेलीस्कोप हाउस

घाटी और उसके आसपास की सुंदरता को देखने के लिए दो टे लीस्कोप हाउस स्थापित किये गये हैं। इसके अलावा सौर भौतिक वेधशाला, ग्रीन वैली व्यू, गुना गुफाएं, डॉल्फिन नोज, थालाइयर झरना आदि जगहों की सैर कर सकते हैं। फलों में नाशपाती के लिए यह जगह प्रसिद्ध है। चॉकलेट प्रेमियों के लिए यह स्वर्ग माना जाता है। साहसिक गतिविधियों में ट्रैकिंग, बोटिंग, हॉर्स राइडिंग और साइकिलिंग का आनंद लिया जा सकता है।

कब और कैसे जाएं

सालभर मौसम अच्छा रहता है। वैसे, अच्छा समय अप्रैल से अगस्त उत्तम है। सर्दियों के दौरान इस जगह की यात्रा अच्छी रहती है। निकटतम हवाई अड्डा मदुरै है, जो यहां से 120 किलोमीटर दूर है। यहां से बस या टैक्सी द्वारा कोडैकनाल पहुंच सकते हैं। रेल मार्ग के लिए निकटतम रेलवे स्टेशन कोडै रोड है, जो कोडैकनाल से 80 किलोमीटर दूर है। सड़क मार्ग के लिए दक्षिण भारत के कई मुख्य शहरों से सीधी बस सेवा द्वारा जुड़ा है।

सागर किनारे लक्षद्वीप

अरब सागर की गोद में बैठे छोटे ये द्वीप अपनी सुंदरता में अद्वितीय और आकर्षक हैं। ये भारत के दक्षिण-पश्चिम किनारे पर स्थित हैं। मुख्य भूमि से दूर इनका प्राकृतिक सौंदर्य, प्रदूषणमुक्त वातावरण, चारों ओर समुद्र और इसका पारदर्शी तल पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देता है।

समुद्री जल में तैरती असंख्य प्रजातियों की रंगबिरंगी मछलियाँ इन द्वीपों की सुंदरता को चार चाँद लगा देती हैं। हर द्वीप पर नारियल व पाम के झूमते हरे-भरे वृक्ष हैं। और साथ है कोरा-कुँवारा समुद्र जिसका नीला पानी आपको अनोखी पवित्रता का अहसास कराता है।

लक्षद्वीप भारत के एकमात्र मूँगा द्वीप हैं। इन द्वीपों की श्रृंखला मूँगा एटोल हैं। एटोल मूँगे के द्वारा बनाया गई ऐसी रचना है जो समुद्र की सतह पर पानी और हवा मिलने पर बनती है। सिर्फ इन्हीं परिस्थतियों में मूँगा जीवित रह सकता है। यहाँ के निवासी केरल के निवासियों से बहुत मिलते-जुलते हैं। यह द्वीप पर्यटकों का स्वर्ग है। यहाँ का नैसर्गिक वातावरण देश-विदेश के सैलानियों को बरबस अपनी ओर खींच लेता है। अब केंद्र सरकार इन द्वीपों का पर्यटन की दृष्टि से तेजी से विकास कर रही है।

समुद्र जल में जो जीव सृष्टि है, वह धरातल के ऊपर के प्राणियों से कम सुंदर और आकर्षक नहीं है। ये द्वीप प्रकृति की एक अद्भुत देन हैं। यह आश्चर्य की बात है कि यहाँ की धरती का निर्माण मूँगों द्वारा किया गया। उन्होंने ही मानव के रहन-सहन के उपयुक्त बनाया। यह द्वीप पर्यटकों का स्वर्ग है। यहाँ का नैसर्गिक वातावरण देश-विदेश के सैलानियों को बरबस अपनी ओर खींच लेता है।

द्वीप

अगत्ती लक्षद्वीप का बेहद खूबसूरत लैगून में से है। यहाँ एयरपोर्ट भी है। लक्षद्वीप में यहीं से प्रवेश किया जाता है। यहीं पर 20 बिस्तरों वाला एक पर्यटक काम्पलैक्स भी है।

बंगारम

आँसू के आकार के इस द्वीप में चारों ओर क्रीमी रंग की रेत बिखरी हुई है। लक्षद्वीप के हर द्वीप की तरह यहाँ भी नारियल के वृक्ष सघन मात्रा में हैं जो दिन की तीखी गर्मी में भी ठंडक देते हैं।

कवरत्ती

कवरत्ती यहाँ की प्रशासनिक राजधानी है। यह सबसे अधिक विकसित भी है साथ ही यहाँ द्वीपवासियों के अलावा अन्य लोग भी बड़ी संख्या में रहते हैं। पूरे द्वीप में 52 मस्जिद हैं, सबसे खूबसूरत मस्जिद है उज्र मस्जिद। कहा जाता है कि यहाँ के पानी में चमत्कारी शक्ति है।

इस द्वीप में एक्वेरियम भी है जिसमें सुंदर मछलियों की प्रजातियाँ हैं। यहाँ काँच की तली वाली नौका में बैठकर आप समुद्री दुनिया का नजारा ले सकते हैं। इसके अलावा यहाँ वाटर स्पोर्ट्स जैसे केयाकिंग, कनोइंग और स्नोरकेलिंग का मजा भी ले सकते हैं।

कालपेनी

यहाँ तीन द्वीप हैं जिनमें आबादी नहीं है। इनके चारों ओर लैगून की सुंदरता देखने लायक है। कूमेल एक खाड़ी है जहाँ पर्यटन की पूरी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। यहाँ से पित्ती और थिलक्कम नाम के दो द्वीपों को देखा जा सकता है। यहाँ आप तैर सकते हैं, रीफ पर चल सकते हैं, नौका में बैठकर घूम सकते हैं और कई वाटर स्पोर्ट्स का आनंद ले सकते हैं।

कदमठ

एक जैसी गहराई और दूर अनंत तक जाते किनारे कदमठ को स्वर्ग बनाते हैं। यही एकमात्र द्वीप है जिसके पूर्वी और पश्चिमी दोनों ओर लैगून हैं। यहाँ वाटर स्पोर्ट्स की बेहतरीन सुविधाएँ हैं।

मिनिकॉय

यह कवरत्ती से 200 किमी दूर दक्षिण में है। मालदीव के करीब होने के कारण यहाँ भिन्न संस्कृति के दर्शन होते हैं। मिनिकॉय नृत्य परंपरा के मामले में बेहद समृद्ध है। विशेष अवसर पर यहाँ लावा नृत्य किया जाता है। यहाँ खासकर तूना मछली का शिकार और नौका की सैर आनंददायी है। अँग्रेजों के द्वारा 1885 में बनवाया गया प्रकाश स्तंभ देखने लायक है, पर्यटक यहाँ ऊपर तक जा सकते हैं।

कैसे जाएँ

हवाई मार्ग से कोचीन से अगत्ती द्वीप तक सीधी हवाई सेवा है। अगत्ती से हेलिकॉप्टर या बोट के माध्यम से आगे जाया जा सकता है। दूसरे द्वीपों के लिए हेलिकॉप्टर सेवा उपलब्ध है। पानी के जहाज से केरल के कोचीन से जहाज की सेवा भी उपलब्ध है।

कब जाएँ

अक्टूबर-नवंबर में यहाँ बारिश होती है और पानी के जहाज चलना बंद हो जाते हैं। फिर भी हेलिकॉप्टर के माध्यम से आप यहाँ जा सकते हैं। इन दिनों मौसम कुछ ठंडा हो जाता है लेकिन अन्य दिनों में गर्मी रहती है।

महिला टीचर ने दो साल तक नाबालिग छात्र को घर में छिपाकर रखा, पुलिस ने दर्ज किया केस

कैलिफोर्निया। अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक महिला टीचर ने अपने एक 15 वर्षीय छात्र को दो लगभग दो साल तक अपने घर में छिपाकर रखा। सैक्रामेंटो पब्लिक स्कूल की टीचर 61 वर्षीय होल्गा कैस्टिलो ओलिवारेस पर इस तथ्य को छिपाने का आरोप है कि छात्र उसके घर पर रह रहा था, जबकि साल 2020 से छात्र को ढूंढने के लिए मिसिंग रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। पुलिस ने महिला को अरेस्ट कर लिया है। छात्र के पैरेंट कैट स्मिथ ने कहा कि 18 मई 2020 को घर में हुई एक बहसबाजी के बाद अपने परिवार और घर से रूठकर चला गया था। फिर 11 मार्च को इस साल वह छात्र फिर अपने घर पर रहने गया, जिसके बाद उसने बताया कि वह पिछले दो सालों से ओलिवारेस के घर रह रहा था। ओलिवारेस जोकि पेशे से टीचर हैं, वह बच्चे की मां की भी दोस्त हैं। लड़के के पिता स्मिथ ने बताया कि वह लुटा हुआ महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा आप किसी के बच्चे को घर पर छिपाकर नहीं रख सकते और कहें कि यह सब ठीक है। ओलिवारेस पर पिछले गुरुवार को माता-पिता से छिपाने के इरादे से एक नाबालिग को अपने घर में रखने का आरोप लगाया गया है। उसे बिना बॉन्ड के रखा गया, जिसके बाद पिछले दिनों कोर्ट में पेशी हुई। महिला के खिलाफ जारी किए गए बयान में बताया गया कि दायर किए गए आरोप कर्मचारी के नियत कर्तव्यों से असंबंधित कृत्यों के लिए हैं। वहीं, स्कूल प्रशासन ने भी टीचर ओलिवारेस के खिलाफ कड़े कदम उठाए हैं और उसे छुट्टी पर भेज दिया है। स्कूल का कहना है कि वह टीचर के खिलाफ लगे आरोपों की और जांच कर रहा है।

ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा कंपनी का डेटा हैंक

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा कंपनी मेडिबैंक ने कहा कि एक साइबर अपराधी ने उसके सभी 40 लाख ग्राहकों का निजी डेटा हैक कर लिया है। ऑस्ट्रेलिया की सरकार ऐसा कानून लेकर आई है जिसके तहत उन कंपनियों पर अब अधिक जुर्माना लगेगा जो अपने ग्राहकों की निजी जानकारियों की रक्षा नहीं कर सकती। मेडिबैंक ने कहा कि बड़ी संख्या में स्वास्थ्य दावों के आंकड़ों तक भी अपराधी की पहुंच बन गई थी। इस बारे में पुलिस को हफ्तेभर पहले जानकारी दी गई थी और तब कंपनी के शेयरों के लेनदेन पर रोक लगा दी गई थी। पुलिस को जानकारी दी गई थी कि एक 'अपराधी' ने कंपनी से संपर्क कर उपभोक्ताओं के चोरी किए गए निजी आंकड़ों को जारी करने के बदले में पैसों की मांग की है और हाई-प्रोफाइल ग्राहकों के रोगों और उपचारों की जानकारी सार्वजनिक करने की कथित धमकी दी है। कंपनी ने पहले कहा था कि यह सेंधमारी उसकी अनुषंगी एएचएम तथा विदेशी छात्रों तक सीमित है।

कनाडाई प्रधानमंत्री ट्रूडो ने बंदी छोड़ दिवस के मौके पर सिख समुदाय को शुभकामनाएं दी

ओटावा । कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने बंदी छोड़ दिवस के मौके पर सिख समुदाय को शुभकामनाएं दी हैं। ट्रूडो ने कहा कि यह एक मजबूत कनाडा के निर्माण के लिए सिख धर्म के लोगों के महत्वपूर्ण योगदानों को स्वीकार करने का भी एक मौका है। ट्रूडो ने कहा, आज हम कनाडा और दुनिया भर में सिख समुदाय के लोगों के साथ मिलकर बंदी छोड़ दिवस मना रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि आज परिवार के सदस्य और दोस्त प्रार्थना करने, दावत करने और अपने घरों तथा गुरुद्वारों में उम्मीद, मार्गदर्शन और स्वतंत्रता के प्रतीक के रूप में मोमबत्तियां जलाने के लिए एकत्र होने वाले हैं। ट्रूडो ने कहा, ''बंदी छोड़ दिवस पर, हम अपने आस-पास के लोगों के साथ एकजुटता से खड़े होने और जरूरतमंदों की सेवा करने के महत्व पर विचार करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, इस दिन, सिख समुदाय के लोग गुरु हरगोबिंद साहिब जी की कहानी को याद करते हैं, जिन्हें 1619 में ग्वालियर किले में कैद किया गया था। जब उन्हें जेल से मुक्त होने का मौका दिया गया, तब गुरु ने मुगल बादशाह जहांगीर द्वारा अपने साथ कैद किए गए 52 निर्दोष राजाओं के बिना रिहा होने से इनकार कर दिया। अंत में, वह खुद को और राजाओं को मुक्त कराने में सफल रहे तथा अमृतसर लौटे। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह समय सिख धर्म के कनाडाई लोगों के महत्वपूर्ण योगदान को याद करने, उन्हें स्वीकार करने का भी है। बयान के अनुसार, सिख समुदाय के लोगों का एक मजबूत कनाडा के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण योगदान है, जो निरंतर जारी है।

देश में बाढ़ के कारण 612 लोगों की मौत, 32,19,780 अन्य लोग बुरी तरह प्रभावित

अबुजा । नाइजीरिया सरकार ने कहा कि इस साल मानसून की शुरूआत के बाद से देश में बाढ़ के कारण 612 लोगों की मौत हो गई है। वहीं 32,19,780 अन्य लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, मानवीय मामलों, आपदा प्रबंधन और सामाजिक विकास मंत्री सादिया उमर फारूक ने कहा कि देश के कुछ हिस्सों में बाढ़ के कारण 1,427,370 लोग विस्थापित हुए हैं, वहीं 2,776 अन्य घायल हुए हैं, जिसमें 181,600 घर मामूली रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं, अन्य 123,807 पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। मंत्री के अनुसार, 176,852 हेक्टेयर कृषि भूमि आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि 392,399 हेक्टेयर कृषि भूमि पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। अधिकारी ने बाढ़ से प्रभावित 21 राज्यों को राहत सामग्री के वितरण की पुष्टि की और जोर देकर कहा कि अन्य राज्यों में खाद्य और गैर-खाद्य पदार्थों का वितरण पहले से ही चल रहा है। फारूक ने कहा, विशेष टीमें जमीनी स्तर पर काम कर रही हैं, अभी भी कुछ ऐसे क्षेत्र है, जहां पहुंचना मुश्किल है। इन दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंचने के लिए मंत्रालय विशेष कौशल और उपकरणों के साथ सैन्य और अन्य स्टेकहॉल्डर्स के साथ काम कर रहा है। मंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि रेस्क्यू टीम के कार्यकर्ता बाढ़ पीड़ितों को तत्काल देखभाल के लिए अस्पतालों में भर्ती, स्थानांतरित करने और रेफर जैसे तत्काल कार्रवाई कर रहे है। नाइजीरियाई सरकार के पहले के बयानों के अनुसार, इस साल अब तक कम से कम 31 राज्यों और अबुजा संघीय राजधानी क्षेत्र में बाढ़ ने कहर बरपाया है।

दुनिया के सबसे गंदे आदमी का निधन, बिना साबुन-पानी के काट दिए 50 साल, नहाने के कुछ माह हो गई मौत

तेहरान। दुनिया के सबसे गंदे आदमी की 94 साल की उम्र में मौत हो गई है। ज्यादातर एकांत में रहने वाला यह शख्स दशकों में पहली बार नहाया तो इसके कुछ माह बाद ही उसकी मौत हो गई। अमी हाजी नाम के इस व्यक्ति ने करीब 50 साल से अधिक समय से पानी और साबुन का इस्तेमाल नहीं किया था। उसे डर था कि यह उसे बीमार कर देगा। ईरान का यह शख्स देश के दक्षिणी प्रांत फारस में रहता था। स्थानीय ग्रामीणों ने कई बार उसे साफ करने का प्रयास किया लेकिन उसने इनकार कर दिया। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, अमी हाजी आखिरकार दबाव में आ गया और कुछ महीने पहले उसने नहा लिया। हाजी को 'दुनिया के सबसे गंदे शख्स' के रूप में जाना जाता था। नहाने के कुछ दिन बाद ही वह बीमार हो गया और रविवार को उसकी मौत हो गई। सन 2014 में एक इंटरव्यू में हाजी ने बताया था कि उसका पसंदीदा खाना पॉक्यूपाइन है और वह एक गड्ढे में ईंटों की बनाई झोपड़ी में रहता था। खबरों के मुताबिक कई साल से न नहाने की वजह से हाजी की त्वचा काली पड़ गई थी। उसके आहार में सिर्फ सड़ा हुआ मांस और गंदा पानी शामिल था। कई पुरानी तस्वीरों में वह सिगरेट पीते नजर आता है। एक तस्वीर में हाजी 4 सिगरेट एक साथ पीते दिखाई दे रहा है। नहाने के प्रयासों या पीने के लिए साफ पानी देने पर वह उदास हो जाता था। सबसे लंबे समय तक न नहाने का रेकॉर्ड हाजी के नाम था, लेकिन कुछ लोग इस पर सवाल उठाते हैं। दावा किया जाता है कि सन 2009 में एक भारतीय शख्स को ब्रश किए और नहाए हुए 35 साल हो गए थे। हालांकि इसके बाद उसके साथ क्या हुआ स्पष्ट नहीं है। खबरों के मुताबिक अपनी युवावस्था में कई 'असफलताओं' का सामना करने के बाद हाजी ने इस तरह का जीवन जीने का फैसला किया। वह हमेशा एक वॉर हेलमेट पहने रखते थे ताकि वह सर्दी से खुद को बचा सकें। उन्हें धूमपान की बहुत बुरी लत थी। अक्सर वह जंग लगे पाइप के टुकड़ों में जानवरों का मल भरकर उससे धूमपान करते थे। वह कहते भी थे कि नहाने से वह बीमार पड़ सकते हैं।

10 दिसंबर को स्टॉकहोम में होगा नोबेल पुरस्कार वितरण, आमंत्रित नहीं किए गए रूस-बेलारूस के राजदूत

स्टॉकहोम। यूक्रेन में युद्ध के कारण रूस और बेलारूस के राजदूतों को स्टॉकहोम में होने वाले वार्षिक नोबेल पुरस्कार वितरण समारोह के लिए आमंत्रित नहीं किया गया। इन प्रतिष्ठित पुरस्कारों का अयोजन करने वाला 'नोबेल फाउंडेशन' आमतौर पर स्वीडन में तैनात राजदूतों को वार्षिक पुरस्कार समारोह में आमंत्रित करता है। नोबेल पुरस्कार वितरण समारोह हर साल 10 दिसंबर को आयोजित किया जाता है। 'नोबेल फाउंडेशन' ने एक बयान में कहा रूस के यूक्रेन पर आक्रमण करने के कारण 'नोबेल फाउंडशेन' ने रूस और बेलारूस के राजदूतों को स्टॉकहोम में होने वाले नोबेल पुरस्कार समारोह के लिए आमंत्रित नहीं करने का फैसला किया है।

रोमानिया में राष्ट्रपति क्लोस इओहोनिस आर्मी डे समारोह में भाग लेते हुए।

अमेरिका का दक्षिण कोरिया को वादा, उत्तर कोरिया के खिलाफ हर संभव मदद करेगा

वाशिंगटन । अमेरिका की उप विदेश मंत्री वेंडी शर्मन ने कहा कि उनका देश अपने साझेदार जापान और दक्षिण कोरिया की रक्षा के लिए ''परमाणु, पारंपरिक और मिसाइल रक्षा' सहित पूरी सैन्य क्षमता का इस्तेमाल करेगा। उन्होंने साथ ही उत्तर कोरिया को तनाव बढ़ाने को लेकर चेतावनी दी। शर्मन ने कहा कि उत्तर कोरिया हाल के हफ्तों में बार-बार बैलिस्टिक मिसाइलें और तोप के गोले दाग रहा है, जो भड़काने वाली सैन्य कार्रवाई है। वहीं, उत्तर कोरिया ने अपने कदमों को रणनीतिक परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का पूर्वाभ्यास करार दिया है। तोक्यो में दक्षिण कोरिया के प्रथम उप विदेश मंत्री चो ह्युंगडोंग के साथ बातचीत के दौरान शर्मन ने कहा, यह बहुत ही गैर जिम्मेदराना, खतरनाक और अस्थिर करने वाला कदम है। दोनों अधिकारियों ने जापानी समकक्ष के साथ होने वाली त्रिपक्षीय वार्ता से पहले यह मुलाकात की। शर्मन ने कहा कि उ.कोरिया को समझने की जरूरत है, कि दक्षिण कोरिया और जापान की सुरक्षा के लिए अमेरिका ''फौलाद'' की तरह प्रतिबद्ध है। शर्मन ने कहा, हम अपने साझेदारों की रक्षा करने के लिए परमाणु, पारंपरिक और मिसाइल रक्षा क्षमता सहित अपनी पूरी सैन्य ताकत का इस्तेमाल करने वाले हैं। चो ने शर्मन के साथ बातचीत के दौरान उत्तर कोरिया द्वारा सितंबर में अंगीकार की गई नई परमाणु हथियार नीति को लेकर चिंता जाहिर की हैं। उन्होंने कहा कि इससे उत्तर कोरिया द्वारा मनमाने तरीके से परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने की आशंका बढ़ गई है।

सुनक के एशियाई मूल के प्रथम ब्रिटिश प्रधानमंत्री बनेः भारत, पाक ने उनसे अपना संबंध बताया

लंदन। (एजेंसी)।

एशियाई मूल के व्यक्ति के रूप में ऋषि सुनक के ब्रिटिश प्रधानमंत्री बनने पर चिर प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा हो गये, हालांकि दोनों पड़ोसी देशों में से किसी ने इसमें भूमिका नहीं निभाई है। भारतीय मूल के सुनक (42) ने मंगलवार को महाराजा चार्ल्स तृतीय के साथ मुलाकात के बाद ब्रिटिश प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया। सुनक को सोमवार को कंजरवेटिव पार्टी का नेता चुना गया था। सुनक एक धर्मनिष्ठ हिंदू हैं। वह 210 वर्षों में ब्रिटेन के सबसे युवा प्रधानमंत्री हैं।

सुनक के दादा-दादी अविभाजित भारत से थे और उनका जन्म स्थान गुजरांवाला में है, जो अब पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में स्थित है। इस तरह, ब्रिटेन के नये प्रधानमंत्री भारत और पाकिस्तान, दोनों से ताल्लुक रखते हैं। दोनों पड़ोसी देशों के प्रधानमंत्रियों ने सुनक को बधाई दी और कहा कि वे उनके साथ करीबी रूप से काम करने को उत्सुक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को एक ट्वीट में कहा, ''ऋषि सुनक को हार्दिक बधाई!''

उन्होंने कहा, ''...वैश्विक मुद्दों पर साथ मिलकर काम करने और रोडमैप 2030 को लागू करने के लिए उत्सुक हूं।ब्रिटिश भारतीयों के 'जीवंत सेतु' को दिवाली की विशेष शुभकामनाएं। हमने ऐतिहासिक संबंधों को आधुनिक साझेदारी में बदला है।'' इसके शीघ्र बाद, पाकिस्तान के प्रधानमंत्रीशहबाज शरीफ ने ट्विटर के जरिये सुनक को बधाई दी।

उन्होंने एक ट्वीट में कहा, ''कंजरवेटिव पार्टी का नेता चुने जाने और ब्रिटेन का अगला प्रधानमंत्री बनने के लिए ऋषि सुनक को बधाई। मैं साझा हितों को आगे बढ़ाने और पाकिस्तान-ब्रिटेन साझेदारी को और प्रगाढ़ करने के लिए उनके साथ काम करने को उत्सुक हूं।'' सुनक के पूर्वजों के मूल निवास स्थान को लेकर सोशल मीडिया पर भारतीय और पाकिस्तानी, दोनों ही अपने-अपने विचार प्रकट कर रहे हैं।

क्वीन लायनेस86 नाम के एक ट्विटर अकाउंट से ट्वीट किया गया, ''सुनक गुजरांवाला के पंजाबी खत्री परिवार से हैं।'' उन्होंने लिखा, ''ऋषि के दादा रामदास सुनक क्लर्क के तौर पर काम करने के लिए 1935 में गुजरांवाला से नैरोबी चले गये थे।'' जुल्फिकार जट्ट नाम के एक व्यक्ति ने ट्वीट किया, ''चूंकि गुजरांवाला पाकिस्तान में है, इसलिए 100 साल पहले भी इस शहर से ताल्लुक रख चुके लोग अब पाकिस्तानी माने जाएंगे।

पीएम बनने के बाद पहली बार चीन के दौरे पर जाएंगे शहबाज शरीफ, तीसरी बार राष्ट्रपति चुने गए जिनपिंग से करेंगे मुलाकात

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अगले सप्ताह चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलने और प्रधानमंत्री ली केकियांग के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करने के लिए विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी सहित एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ चीन का दौरा करेंगे। इस साल अप्रैल में पदभार संभालने के बाद से शहबाज की ये पहली चीन यात्रा होगी और सितंबर में उज्बेकिस्तान में शी के साथ उनकी मुलाकात के बाद यह चीन की पहली यात्रा होगी। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी समेत एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के नेतृत्व में प्रधानमंत्री मोहम्मद शहबाज शरीफ 1-2 नवंबर को चीन की यात्रा पर जाएंगे। प्रधानमंत्री चीनी राष्ट्रपति के निमंत्रण पर यात्रा कर रहे हैं। इसमें कहा गया है कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की 20 वीं राष्ट्रीय कांग्रेस के बाद पाकिस्तान के पीएम चीन की यात्रा करने वाले पहले नेताओं में होंगे, जहां शी ने पार्टी के नेता के रूप में अपना तीसरा कार्यकाल हासिल किया। इससे पहले पाक पीएम ने एक ट्वीट में कहा, ÷पूरे पाकिस्तानी राष्ट्र की ओर से, मैं राष्ट्रपति शी जिनपिंग को तीसरे कार्यकाल के लिए सीपीसी महासचिव के रूप में फिर से चुने जाने पर बधाई देता हूं। यह उनके कुशल नेतृत्व और चीन के लोगों की सेवा करने के लिए अटूट समर्पण के लिए एक शानदार श्रद्धांजलि है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि शरीफ की यात्रा दोनों देशों के बीच लगातार नेतृत्व स्तर के आदान-प्रदान की निरंतरता का प्रतिनिधित्व करती है।पाक विदेश कार्यालय ने कहा, 'प्रधानमंत्री राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे और प्रधानमंत्री ली केकियांग के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगे। दोनों पक्ष ऑल-वेदर स्ट्रैटेजिक कोऑपरेशन पार्टनरशिप की समीक्षा करेंगे और क्षेत्रीय और वैश्विक विकास पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे।'

न्यूजीलैंड के इतिहास में पहली बार महिला सांसदों की संख्या पुरुषों से ज्यादा

वेलिंग्टन (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड के इतिहास में पहली बार महिला सांसदों की संख्या पुरुष सांसदों से ज्यादा हो गई है। उदारवादी 'लेबर पार्टी की नेता सोराया पेके मैसन ने संसद की सदस्य के तौर पर शपथ ग्रहण की। उन्होंने संसद में पूर्व स्पीकर ट्रेवर मलार्ड का स्थान लिया। मलार्ड को आयरलैंड का राजदूत नियुक्त किया गया है। एक अन्य पुरुष सांसद के इस्तीफे के कारण संसद में महिलाओं की संख्या 60 और पुरुषों की संख्या 59 हो गई है।

पेके मैसन ने कहा, यह मेरे लिए बेहद खास दिन है। मुझे लगता है कि यह न्यूजीलैंड के लिए एक ऐतिहासिक दिन है।'' अंतर-संसदीय संघ के अनुसार, यह महत्वपूर्ण उपलब्धि न्यूजीलैंड को दुनिया के उन आधा दर्जन देशों की सूची में शामिल करती है, जो इस वर्ष अपनी संसदों में महिलाओं के कम से कम 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व हासिल करने का दावा कर सकते हैं। ऐसा अन्य देशों में क्यूबा, मैक्सिको, निकारागुआ, रवांडा और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शामिल हैं। संघ के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर 26 प्रतिशत सांसद महिलाएं हैं। न्यूलीजैंड में महिलाओं के मजबूत प्रतिनिधित्व का इतिहास रहा है। न्यूजीलैंड 1893 में महिलाओं को मतदान का अधिकार देने वाला पहला देश बना था।

मौजूदा प्रधानमंत्री जैसिंडा अर्डर्न देश की तीसरी महिला प्रधानमंत्री हैं। इसके अलावा, प्रधान न्यायाधीश और गवर्नर जनरल समेत देश के कई अन्य शीर्ष पदों पर महिलाएं काबिज हैं। 'नेशनल पार्टी' की उप नेता निकोला विलिस ने कहा, ''मैं वास्तव में इस बात से खुश हूं कि मेरी बेटियां इसतरह देश में बड़ी हो रही हैं, जहां सार्वजनिक जीवन में महिलाओं का बराबर का प्रतिनिधित्व है। वहीं, अर्डर्न ने कहा कि कई देशों में महिलाओं की स्थिति को लेकर अनिश्चितता है। उन्होंने कहा, हम जैसे-जैसे आगे बढ़ रहे हैं, ऐसा लगता है कि हम कई महिलाओं को प्रगति के मामले में तेजी से पीछे की ओर खिसकते देख रहे हैं।

भारत-चीन को एक-दूसरे के आंतरिक मामलों में दखल नहीं देना चाहिए, चीनी राजदूत ने विदाई समारोह में चेताया

बीजिंग। (एजेंसी)।

नयी दिल्ली। भारत में चीन के राजदूत सुन विडोंग ने मंगलवार को अपने विदाई समारोह में कहा कि पड़ोसी होने के नाते चीन और भारत के बीच कुछ मतभेद होना स्वाभाविक है, हालांकि, विकास के लिए साझा आधार तलाशने पर ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लंबित मुद्दों का बातचीत से समाधान निकाला जाना चाहिए। चीनी राजदूत की यह टिप्पणी उनके तीन साल से अधिक के कार्यकाल के अंत में आई है। 15 जून, 2020 को गलवान घाटी में हुई झड़पों के बाद भारत और चीन के बीच संबंधों में तनाव में आ गया। अपने विदाई समारोह के दौरान सुन ने कहा, ''चीन और भारत एक दूसरे के महत्वपूर्ण पड़ोसी हैं। चीन और भारत के बीच कुछ मतभेद होना स्वाभाविक है। मुख्य बात यह है कि मतभेदों को कैसे संभाला जाए।'' उन्होंने कहा, ''हमें ध्यान रखना चाहिए कि दोनों देशों के साझा हित मतभेदों से ऊपर हैं। इस बीच, दोनों पक्षों को वार्ता और परामर्श के माध्यम से मतभेदों को हल करना चाहिए।

यहां अपने कार्यकाल को 'अविस्मरणीय' बताते हुए, सुन विडोंग ने एलएसी पर लंबे समय तक भारत-चीन गतिरोध देखा, जबकि उन्होंने भारत में चीनी राजदूत के रूप में कार्य किया। शायद दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों का जिक्र करते हुए, खासकर मई 2020 गलवान गतिरोध के बाद से, राजदूत ने कहा कि भारत और चीन को आम जमीन की तलाश पर ध्यान देना चाहिए। यह संकेत देते हुए कि लंबित मुद्दों के लिए संकल्प और बातचीत का इस्तेमाल किया जाना चाहिए, निवर्तमान चीनी दूत ने कहा कि चीन और भारत के बीच कुछ मतभेद होना 'स्वाभाविक' था। सुन विडोंग ने कहा कि कुंजी यह है कि मतभेदों को कैसे संभाला जाए। हमें इस बात से अवगत होना चाहिए कि दोनों देशों के सामान्य हित मतभेदों से अधिक हैं। इस बीच, दोनों पक्षों को मतभेदों को प्रबंधित करने और हल करने का प्रयास करना चाहिए, और बातचीत के माध्यम से एक उचित समाधान की तलाश करनी चाहिए।उन्होंने गैर-हस्तक्षेप नीति की वकालत की और कहा कि दोनों पक्षों को 'गलत अनुमान और गलतफहमी' से बचने के लिए आपसी समझ को गहरा करना चाहिए।चीनी दूत ने कहा, 'दोनों देशों को एक-दूसरे की राजनीतिक प्रणालियों और विकास पथों का सम्मान करने और एक-दूसरे के आंतरिक मामलों में गैर-हस्तक्षेप के सिद्धांत को बनाए रखने की जरूरत है।'

राजनाथ सिंह ने रूसी समकक्ष से की फोन पर बात, कहा- संघर्ष के बीच कोई ना अपनाए परमाणु विकल्प

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को अपने रूसी समकक्ष सर्गेई शोइगु से कहा कि यूक्रेन संघर्ष का समाधान संवाद और कूटनीति के माध्यम से निकाला जाना चाहिए और किसी भी पक्ष को परमाणु विकल्प पर विचार नहीं करना चाहिए। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि शोइगु ने फोन पर हुई बातचीत में सिंह को यूक्रेन के मौजूदा हालात से अवगत कराया जिसमें डर्टी बम का इस्तेमाल करके उकसावे वाली कार्रवाई को लेकर चिंताएं शामिल हैं।

रूस और यूक्रेन में बढ़ती शत्रुता के बीच रूस के रक्षा मंत्री की पहल पर बातचीत की गयी। मंत्रालय ने कहा कि सिंह ने संघर्ष के जल्दी समाधान के लिए संवाद और कूटनीति के मार्ग को अपनाने की जरूरत पर भारत का रुख दोहराया। उसने कहा कि उन्होंने संकेत दिया कि किसी भी पक्ष को परमाणु विकल्प को नहीं अपनाना चाहिए क्योंकि परमाणु या रेडियोलॉजिकल हथियारों के इस्तेमाल की संभावना मानवता के मूलभूत सिद्धांत के खिलाफ है। मंत्रालय ने कहा कि दोनों मंत्रियों ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग और यूक्रेन के बिगड़ते हालात पर भी चर्चा की।

रूस ने करीब दो सप्ताह पहले क्रीमिया में एक बड़े विस्फोट के जवाब में यूक्रेन के अनेक शहरों को निशाना बनाकर मिसाइल हमले शुरू कर दिये हैं जिसके बाद दोनों के बीच टकराव बढ़ गया है। विस्फोट के लिए रूस ने यूक्रेन को जिम्मेदार ठहराया। यूक्रेन में भारतीय दूतावास ने भारतीय नागरिकों से वहां नये सिरे से बिगड़ती स्थिति के मद्देनजर जल्द से जल्द देश छोड़ने को कहा है।

यूक्रेन की परमाणु एजेंसी ने डर्टी बम संबंधी रूस के आरोप को खारिज किया

यूक्रेन की परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने रूस के इस दावे को खारिज किया कि वह रेडियोधर्मी उपकरण-तथाकथित डर्टी बम के जरिए उसे उकसाने की कोशिश कर रहा है। यूक्रेन ने कहा कि रूसी सेना अपने कब्जे वाले यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र में गुप्त रूप से निर्माण कार्य कर रही है और अपनी उन गतिविधियों से ध्यान हटाने के लिए वह यूक्रेन पर आरोप लगा रही है। रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु ने सप्ताहांत में अपने ब्रितानी, फ्रांसीसी, तुर्की और अमेरिकी समकक्षों को फोन कर यह दावा किया था कि यूक्रेन रेडियोधर्मी उपकरण-तथाकथित डर्टी बम से हमला करने की तैयारी कर रूस को उकसाने की कोशिश कर रहा है।

ब्रिटेन, फ्रांस और अमेरिका ने इसे पूरी तरह झूठा कहकर खारिज कर दिया। यूक्रेन ने रूस के दावे को खारिज किया और कहा कि यह डर्टी बम का इस्तेमाल करने की रूस की खुद की योजना से ध्यान हटाने का प्रयास है। इस बीच, अमेरिका की सरकार ने मंगलवार को कहा कि यूक्रेन में जारी युद्ध के कारण बढ़े हुए तनाव के बीच रूस ने सूचना दी है कि वह अपनी परमाणु क्षमताओं का नियमित अभ्यास करने का इरादा रखता है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय और विदेश मंत्रालय ने कहा कि रूस ने अमेरिका-रूस हथियार नियंत्रण समझौते की शर्तों का अनुपालन किया है जिसके तहत उसे भविष्य में होने वाले परीक्षणों के बारे में वाशिंगटन को सूचित करना होता है।

रूस नई स्टार्ट संधि की शर्तों के तहत इस तरह की सूचनाएं नियमित तौर पर देता रहता है, ताकि सैन्य अभ्यास को वास्तविक शत्रुता समझने की गलती न हो, लेकिन यह सूचना ऐसे समय में दी गई है जब यूक्रेन में संघर्ष तेज हो गया है और दोनों पक्षों के बीच राजनयिक संपर्क काफी कम हो गया है। यूक्रेन की परमाणु एजेंसी एनरगोएटम ने कहा कि रूसी सेना ने अपने कब्जे वाले यूक्रेन के ज़ापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र में

पिछले सप्ताह गुप्त रूप से कुछ कार्य किए। एनरगोएटम ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि क्षेत्र पर कब्जा जमाए बैठे रूसी अधिकारी यूरोप के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र में अपनी गतिविधियों को यूक्रेनी कर्मचारियों या संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी इकाई को देखने नहीं देंगे। एनरगोएटम ने कहा, इससे ऐसा लगता है कि परमाणु सामग्री और (संयंत्र) में रखे रेडियोधर्मी कचरे का उपयोग करके रूस किसी आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने की तैयारी कर रहा है।

विराट कोहली ने किया बड़ा धमाल, आईसीसी रैंकिंग में टॉप 10 में की वापसी

दुबई। (एजेंसी)।

भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने मेलबर्न में पाकिस्तान के खिलाफ 82 रनों की शानदार पारी खेली थी, जिसका सीधा फायदा उन्हें आईसीसी टी20 रैंकिंग में हुआ है। 33 वर्षीय विराट कोहली टी20 बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष 10 में शामिल हो गए। इस पारी के दम पर कोहली पांच पायदान की छलांग लगाकर नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं। विराट के 635 पॉइंट है।

लिस्ट में पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान (849 रेटिंग अंक) शीर्ष स्थान पर काबिज हैं जबकि न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे (831) तीन पायदान चढ़कर सूर्यकुमार यादव की जगह दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। कॉनवे ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 58 गेंदों पर नाबाद 92 रन की पारी खेली थी जिससे न्यूजीलैंड ने मौजूदा चैंपियन को 89 रन से हराया था। सूर्यकुमार के 828 रेटिंग अंक हैं और उन्हें एक पायदान का नुकसान हुआ है, जिसके बाद वो तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। उनके बाद पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम (799) और दक्षिण अफ्रीका के एडेन मार्कराम (762) का नंबर आता है। भारत के कप्तान रोहित शर्मा रैंकिंग में 16वें और केएल राहुल 18वें पायदान पर है।

एशिया कप से शुरू हुआ कोहली का धमाल

बता दें कि तीन महीने पहले एशिया कप शुरू होने से पहले तक विराट कोहली आईसीसी रैंकिंग में 35वें पायदान पर थे। भारतीय बल्लेबाजी की रीढ़ विराट कोहली का बल्ला पिछले कई महीनों से खामोश था। करीब 3 साल बाद उन्होंने आत्मविश्वास के साथ अफगानिस्तान के खिलाफ शतक लगाया। विराट कोहली के बल्ले से करीब 1020 दिन बाद यह शतक आया था। उन्होंने क्रिकेट के किसी फॉर्मेट में अपना आखिरी शतक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 22 नवंबर 2019 को बांग्लादेश के खिलाफ कोलकाता में लगाया था। बता दें कि अफगानिस्तान के खिलाफ शतक लगाने के बाद विराट कोहली आईसीसी रैंकिंग में 15वें स्थान पर आ गए थे। ये विराट के करियर का 71वां शतक था। अब लगातार अपने दमदाकर प्रदर्शन की बदौलत विराट टॉप 10 में आ गए है, जिससे उनके फैंस काफी खुश है। वहीं उन्होंने एक बार फिर अपने बल्ले से विरोधियों का मुंह बंद किया है।

सबसे अधिक रन बनाने वाले भारतीय

टी20 क्रिकेट में 11 हजार रन बनाने की उपलब्धि हासिल करने वाले विराट पहले भारतीय बल्लेबाज है। बता दें विराट के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा हैं। विश्व टी20 क्रिकेट में 11 हजार रन बनाने की सूची में विराट चौथे नंबर पर है।

गेंदबाजी और ऑलराउंडर रैंकिंग भी जारी

आईसीसी ने गेंदबाजी की रैंकिंग भी जारी की है, जिसमें अफगानी स्पिनर राशिद खान पहले स्थान पर और ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड दूसरे पर है। ऑलराउंडर रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ी हार्दिक पांड्या तीसरे स्थान पर आ गए है। उन्हें तीन स्थान का फायदा हुआ है।

पेरिस मास्टर्स में वापसी करेंगे नडाल

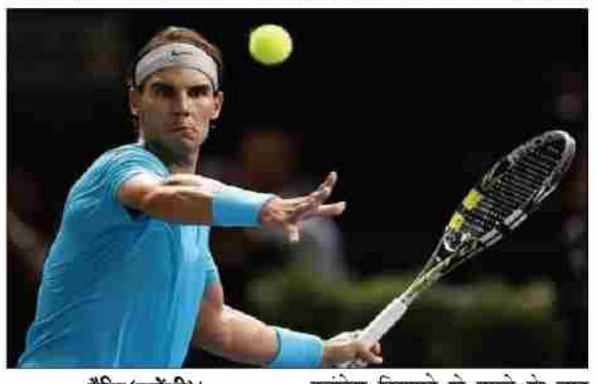

मैड्रिड (एजेंसी)।

स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और 22 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता राफेल नडाल एटीपी फाइनल खेलने से पहले अगले हफ्ते पैरिस मास्टर्स में हिस्सा लेंगे। नडाल के कोच कार्लोस मोया ने इसकी पुष्टी करते हुए आईबी3 टीवी से कहा, 'ट्यूरिन (एटीपी फाइनल) पहुंचने से पहले आपको पेरिस में मैच खेलने होंगे। राफा जहां कहीं भी जाते हैं, हम आशावान होते हैं।' नडाल को इस साल कई चोटों से जूझना पड़ा है। उन्होंने पैर की पुरानी चोट से निपटने के लिए इंजेक्शन लगाकर खेलते हुए अपना 14वां फ्रेंच ओपन खिताब जीता।

इसके बाद उन्हें पेट की चोट के कारण विंबलडन सेमीफाइनल से नाम वापस लेना पड़ा। अमेरिकी ओपन के शीर्ष-16 राउंड में फ्रांसेस टियाफो से हारने के बाद उन्होंने कहा था कि उन्हें 'चीजों को ठीक करने' की जरूरत है और वह इस इस बारे में अनिश्चित थे कि वह अगली बार कब खेलेंगे। नडाल ने पिछले महीने लेवर कप के युगल मैच में रोजर फेडरर के साथ जोड़ी बनाई थी, हालांकि सन्यास की घोषणा कर चुके फेडरर के आखिरी मैच के बाद नडाल ने भी प्रतियोगिता से नाम वापस ले लिया था।

उन्होंने आठ अक्टूबर को पत्नी मेरी पेरेलो के साथ अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए भी समय निकाला। मोया ने पुष्टि की कि नडाल पेरिस मास्टर्स के मंच का इस्तेमाल एटीपी फाइनल की तैयारी के लिये करेंगे। दुनिया के नंबर दो खिलाड़ी नडाल ने अपने करियर में एक बार भी एटीपी मास्टर्स का खिताब नहीं जीता है।

सिंधू की शीर्ष पांच में वापसी, प्रणय नवीनतम बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में 12वें स्थान पर पहुंचे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और थॉमस कप विजेता टीम का हिस्सा रहे एचएस प्रणय मंगलवार को जारी बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) की विश्व रैंकिंग में महिला और पुरुष एकल में एक-एक स्थान के फायदे के साथ क्रमशः पांचवें और 12वें स्थान पर पहुंच गए। अगस्त में राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान टखने में लीग चोट के कारण तब से प्रतिस्पर्धी बैडमिंटन से दूर सिंधू के 26 टूर्नामेंट में 87218 अंक हैं। दुनिया की दूसरे नंबर की पूर्व खिलाड़ी सिंधू ने तीन साल बाद शीर्ष पांच में दोबारा जगह बनाई है। हैदराबाद की रहने वाली पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू ने चोट से उबरने बाद सोमवार को दोबारा ट्रेनिंग शुरू की। पुरुष एकल में प्रणल ने डेनमार्क ओपन 750 टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के बाद से रैंकिंग में आगे बढ़ना जारी रखा है। रेस टू ग्वांग्झू रैंकिंग में शीर्ष पर

चल रहे 30 साल के प्रणय के 26 टूर्नामेंट में 64330 अंक हैं। राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन लक्ष्य सेन और राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता किदांबी श्रीकांत क्रमशः आठवें और 11वें नंबर पर बने हुए हैं। बर्मिंघम खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी भी आठवें स्थान पर बरकरार है। एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला पुरुष युगल रैंकिंग में दो स्थान के फायदे से 19वें स्थान पर पहुंच गए हैं। त्रीशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी तथा इशान भटनागर और तनीषा क्रास्टो की महिला युगल जोड़ी क्रमशः 27वें और 29वें स्थान के साथ करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल करने में सफल रहे।

टी20 वर्ल्डकप में बड़ा उलटफेर, डकवर्थ लुईस सिस्टम से आयरलैंड ने इंग्लैंड को दी मात

मेलबर्न। (एजेंसी)।

कप्तान एंडी बालबर्नी के अर्धशतक और जोश लिटिल की शानदार गेंदबाजी के अलावा बारिश की कृपा से आयरलैंड ने टी20 विश्वकप के सुपर 12 के मैच में बुधवार को यहां इंग्लैंड को डकवर्थ लुईस पद्धति के आधार पर पांच रन से पराजित कर एक और बड़ा उलटफेर किया। दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज को बाहर का रास्ता दिखा कर सुपर 12 में जगह बनाने वाली आयरलैंड की टीम पहले बल्लेबाजी का न्यौता पाने पर 19.2 ओवर में 157 रन पर आउट हो गई। इसके जवाब में इंग्लैंड ने जब 14.3 ओवर में पांच विकेट पर 105 रन बनाए थे तो बारिश आ गई जिसके कारण आगे खेल नहीं हो पाया।

डकवर्थ लुईस पद्धति के अनुसार इंग्लैंड तब पांच रन पीछे था। आयरलैंड की तरफ से बालबर्नी ने 47 गेंदों में 62 रन की पारी खेली जो उनका टी20 विश्व कप में पहला और कुल आठवां अर्धशतक है। उन्होंने लोरकान टकर (27 गेंदों पर 34 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी की। आयरलैंड की यह विश्व कप में इंग्लैंड पर दूसरी जीत है। इससे पहले उसने 11 साल पहले वनडे विश्व कप में इंग्लैंड को हराया था। कुल मिलाकर आयरलैंड की इंग्लैंड पर यह तीसरी जीत है। उसने दो बार वनडे में अपने इस प्रतिद्वंदी को हराया है। आयरलैंड की इस जीत से ऑस्ट्रेलिया का रास्ता

खुल गया है क्योंकि ग्रुप में छह में से पांच टीमों के अब दो-दो अंक हैं। इंग्लैंड को खराब शुरुआत का खामियाजा भुगतना पड़ा। लिटिल (तीन ओवर में 16 रन देकर दो विकेट) ने अपने पहले दो ओवरों में ही कप्तान जोश बटलर (शून्य) और एलेक्स हेल्स (सात) को पवेलियन भेज दिया था जिसने आखिर में अंतर पैदा किया। बेन स्टोक्स (छह) पावर प्ले में आउट होने वाले तीसरे बल्लेबाज थे। उन्हें फियोन हैंड ने बोल्ड किया। डाविड मलान ने 37 गेंदों पर 35 रन बनाए लेकिन बैरी मैकार्थी ने उन्हें आउट करके इंग्लैंड को बड़ा झटका दिया। जब मोईन अली (12 गेंदों पर 24) इंग्लैंड की उम्मीद जगा रहे थे तभी बारिश आ गई। इससे पहले श्रीलंका के खिलाफ सुपर 12 के अपने पहले मैच में हार झेलने वाले आयरलैंड ने आक्रामक शुरुआत की तथा बालबर्नी ने 40 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। उसने पावरप्ले में एक विकेट पर 59 रन बनाए। बालबर्नी को टकर का अच्छा साथ मिला तथा उन्होंने इंग्लैंड के तेज गेंदबाज वुड और क्रिस वोक्स पर कुछ अच्छे पुल शॉट खेले। आयरलैंड ने 100 रन केवल 68 गेंदों पर पूरे कर लिए थे लेकिन टकर रन आउट हो गए जिसके बाद उसने नियमित अंतराल में विकेट गंवाए। लेग स्पिनर लियाम लिविंगस्टोन (3-0-17-3) ने बालबर्नी को आउट किया और अगली गेंद पर जॉर्ज डॉकरेल को भी पवेलियन भेजा तथा वुड (4-0-34-3) और सैम कुरेन (3-0-31-2) के साथ मिलकर आयरलैंड की पारी को 19.2 ओवर में समेट दिया। आयरलैंड का स्कोर 10 ओवर के बाद एक विकेट पर 92 रन था।

टी20 क्रिकेट से संन्यास ले लें विराट: शोएब अख्तर

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर तरीफ करते हुए कहा है कि अब उन्हें टी20 को अलविदा कह देना चाहिये। शोएब अख्तर के अनुसार विराट को अपनी पूरी ताकत छोटे प्रारुप में ही नहीं लगानी चाहिये। इस प्रकार बल्लेबाजी अगर वह एकदिवसीय में करेंगे तो तीन शतक और लगा सकते हैं।

अख्तर के अनुसार पाक के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच में उन्होंने जिस प्रकार की पारी खेली उससे साफ है कि उन्हें अपनी पुरानी लय मिल गयी है। विराट ने जिस प्रकार पाक के तेज गेंदबाजी आक्रमण को बेकर कर दिया उसकी जितनी सराहना की जाये वह कम है। उनकी बल्लेबाजी के कारण ही भारतीय टीम इस मैच में जीती है।

इस पूर्व तेज गेंदबाजी ने कहा, 'मेरा मानना है कि उन्होंने पाक के खिलाफ अपने करियर की की सबसे बड़ी पारी खेली। उन्होंने इस तरह खेला, क्योंकि उन्हें आत्मविश्वास था कि वह ऐसा करने में सफल रहेंगे। उन्होंने एक धमाके के साथ वापसी की है। इसलिए में चाहता हूं कि वह टी20 से संन्यास ले लें। जिससे उनकी पूरी ताकत इसी प्रारुप में न खर्च हो। साथ ही कहा कि इस प्रकार से बल्लेबाजी करते हुए वह एकदिवसीय प्रारुप में तीन शतक और लगा सकते हैं।

सूर्यकुमार के आने से नंबर चार की समस्या हल हुई : कपिल

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने मध्यक्रम के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव की जमकर प्रशंसा की है। कपिल ने कहा कि सूर्यकुमार ने अपने प्रदर्शन से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। वह गत एक साल से सीमित ओवरों की टीम के अहम सदस्य बने हुए हैं। उनके आने के बाद से ही भारतीय टीम की नंबर 4 बल्लेबाज की कमी भी पूरी हो गयी। सूर्यकुमार के आने के बाद भारतीय टीम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आक्रामक बल्लेबाजी पर ध्यान दिया है। इस दौरान विकेट खोने का डर छोड़कर निडर होकर बल्लेबाजी करने की रणनीति अपनायी गयी है। .

कपिल ने कहा कि किसी ने नहीं सोचा था कि सूर्यकुमार इतने प्रभावशाली खिलाड़ी बनेंगे पर उन्होंने अपनी प्रतिभा के जरिये दुनिया को अपने बारे में बात करने के लिए मजबूर कर दिया है। कपिल ने कहा, वास्तव में सूर्यकुमार के भविष्य में प्रभावशाली खिलाड़ी होने के बारे में कभी किसी ने नहीं सोचा था पर उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से शानदार प्रदर्शन किया और दुनिया को उनके बारे में बात करने के लिए मजबूर कर दिया।

1983 के इस विश्व कप विजेता कप्तान ने सूर्यकुमार की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके आने से भारतीय टीम की बल्लेबाजी और बेहतर हुई है। उन्होंने कहा, अब, हम उसके बिना भारतीय टीम के बारे में नहीं सोच सकते। विराट कोहली, रोहित शर्मा और लोकेश राहुल के साथ टीम में सूर्यकुमार जैसा बल्लेबाज होने से टीम बेहतर हो जाती है।

भारत ने जोहोर कप हॉकी में आस्ट्रेलिया से ड्रॉ खेला

जोहोर बाहरू (मलेशिया): (एजेंसी)।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने सुल्तान जोहोर बाहरू कप में बुधवार को आस्ट्रेलिया को 5 . 5 से ड्रॉ पर रोककर राउंड रॉबिन लीग तालिका में दूसरे स्थान पर कब्जा कर लिया। भारत के लिये अमनदीप ने 60वें मिनट में गोल करके मैच को ड्रॉ कराया। इससे पहले बाबी सिंह धामी (दूसरा मिनट), शारदानंद तिवारी (आठवां और 35वां मिनट) और अरिजित सिंह हुंडल (18वां मिनट) ने गोल दागे। आस्ट्रेलिया के लिये लियाम हार्ट(तीसरा मिनट), जैक हॉलैंड (आठवां), जोशुआ ब्रूक्स (20वां और 41वां) और जैक लैम्बेथ (49वां मिनट) ने गोल किये। भारतीय टीम ने आक्रामक शुरूआत की और कप्तान उत्तम सिंह ने पहले सफल प्रयास में धामी को गेंद सौंपी जिन्होंने गोल किया। आस्ट्रेलिया ने हालांकि एक मिनट बाद ही बराबरी का गोल दाग दिया। इसके बाद हॉलैंड ने आठवें मिनट में आस्ट्रेलिया को बढत दिला दी लेकिन तिवारी ने उसी मिनट भारत के लिये बराबरी का गोल किया। दूसरे क्वार्टर की शुरूआत भी काफी आक्रामक रही। हुंडल ने 18वें मिनट में भारत को फिर बढत दिलाई। दो मिनट बाद भारतीय गोलकीपर मोहित शशिकुमार ने पेनल्टी कॉर्नर गंवाया जिस पर ब्रूक्स ने गोल करके हाफटाइम तक स्कोर 3 . 3 कर दिया। दूसरे हाफमें तिवारी ने एक और पेनल्टी कॉर्नर तब्दील करके भारत को बढत दिला दी।

भारत की बढत छह मिनट तक रही और ब्रूक्स ने पेनल्टी कॉर्नर पर

बराबरी का गोल दागा। आखिरी क्वार्टर के चौथे मिनट में लैम्बेथ ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके आस्ट्रेलिया को बढत दिला दी। भारतीय टीम ने जमकर जवाबी हमले बोले और इसी में अमनदीप ने आखिरी सीटी बजने से पहले बराबरी का गोल कर दिया। भारतीय टीम शुक्रवार को ब्रिटेन से खेलेगी।

मेस्सी के दो गोल की बदौलत पेरिस सेंट जर्मेन ने मकाबी हेइफा को 7-2 से हराया

पेरिस। स्टार खिलाड़ी लियोनल मेस्सी के दो गोल से पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने मंगलवार को यहां मकाबी हेइफा को 7-2 से हराया और चैंपियन्स लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाली चार टीम में शामिल रहा। विश्व कप से पहले शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए मेस्सी ने 19वें और 44वें मिनट में गोल दागे। काइलन एमबापे (32वें और 64वें मिनट) ने भी दो गोल किए जबकि नेमार (35वें मिनट) और कार्लोस सोलर (84वें मिनट) ने एक-एक गोल किया। सीन गोल्डबर्ग ने 67वें मिनट में पीएसजी के लिए आत्मघाती गोल भी किया। मकाबी हेइफा के लिए दोनों गोल अब्दुल्ये सेक ने 38वें और 50वें मिनट में किए। इस जीत से ग्रुप एच में पीएसजी और बेनफिका का शीर्ष दो में रहना तय हो गया। अंतिम दौर के मुकाबले से पहले दोनों टीम के 11 अंक हैं। पीएसजी और बेनफिका के अलावा चेल्सी और बोरूसिया डोर्टमंड भी अंतिम 16 में जगह बनाने में सफल रहे। बेनफिका ने यूवेंटस को 4-3 से हराया। यूवेंटस की टीम 2013-14 सत्र के बाद पहली बार नॉकआउट में जगह बनाने में विफल रही। ग्रुप सी से मैनचेस्टर सिटी के अलावा डोर्टमंड की टीम भी प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई। दोनों टीम के बीच मंगलवार का मुकाबला गोल रहित बराबर रहा। चेल्सी ने ग्रुप ई में साल्जबर्ग को 2-1 से हराकर पहला स्थान हासिल किया। पहले ही क्वालीफाई कर चुके गत चैंपियन रीयाल मैड्रिड को ग्रुप एफ में लेपजिग के खिलाफ 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। लेपजिग के पास क्वालीफाई करने का अच्छा मौका है क्योंकि उसने शख्तार डोनेस्क पर तीन अंक की बढ़त बना ली है। शख्तार डोनेस्क ने सेल्टिक से 1-1 से ड्रॉ खेला।

भारतीय खिलाड़ियों ने खाने को लेकर नाराजगी जतायी

सिडनी (एजेंसी)।

भारतीय टीम ने यहां टी20 विश्वकप क्रिकेट में खराब खाने और अभ्यास के लिए मैदान दूर उपलब्ध कराने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से शिकायत की है। भारतीय टीम को जो खाना दिया गया था वह ठंडा भी था। इस कारण कई खिलाड़ियों ने अपने होटल के कमरों से ही खाना वापस भेज दिया। विश्व कप में लगभग सभी टीमों को एक ही प्रकार का खाना मिलता है पर भारतीय खिलाड़ियों को गर्म भोजन नहीं मिला जबकि कड़े अभ्यास सत्र के बाद यह जरुरी माना जाता है। भारतीय टीम का मंगलवार को एक वैकल्पिक अभ्यास सत्र था। अभ्यास के बाद खाने में फलों के साथ कस्टम सैंडविच शामिल थे। अभ्यास सत्र समाप्त होने के कारण दोपहर के भोजन का समय हो गया था इसलिए खिलाड़ियों को पूरे आहार की उम्मीद थी पर वह नहीं मिला। वहीं इस मामले को लेकर बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'यह किसी बहिष्कार की तरह नहीं है।

दक्षिण अफ्रीका के साथ भीड़ने से पहले नीदरलैंड भारत का मैच, शीर्ष क्रम के पास लय हासिल करने का मौका

सिडनी। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में जीत के साथ आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम को गुरुवार को यहां नीदरलैंड की कमजोर मानी जाने वाली टीम से विश्व कप ग्रुप मैच में अधिक चुनौती मिलने की उम्मीद नहीं है। भारत के बल्लेबाजों के नीदरलैंड के गेंदबाजों पर दबदबा बनाने की उम्मीद है।

भारतीय टीम को हालांकि आत्ममुग्धता से बचना होगी क्योंकि भावनात्मक रूप से थकाने वाले कड़े मुकाबले में जीत के बाद टीमें थोड़ी ढिलाई बरत देती हैं। इस मुकाबले में शीर्ष चार बल्लेबाजों में से तीन कप्तान रोहित शर्मा, लोकेश राहुल और सूर्यकुमार यादव को दक्षिण अफ्रीका की मजबूत टीम से भिड़ने से पहले लय हासिल करने का मौका मिलेगा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबला ग्रुप की अंक तालिका में टीम का स्थान तय करने में अहम भूमिका निभाएगा। नीदरलैंड की टीम में फेड क्लासेन, बाड डि लीडे, टिम प्रिंगल और दक्षिण अफ्रीका के बाएं हाथ के पूर्व स्पिनर रीलोफ वान डेर मर्व जैसे गेंदबाज हैं। वान डेर मर्व विरोधी टीम में एकमात्र खिलाड़ी हैं जो इंडियन प्रीमियर लीग में खेल चुके हैं।

नीदरलैंड का गेंदबाजी आक्रमण लीग चरण और होबार्ट में बांग्लादेश के खिलाफ मैच के दौरान उपयोगी नजर आया क्योंकि वहां मौसम ठंडा था और तेज हवा चलती थी तथा साथ ही पिच से गेंदबाजों को मदद मिलती है। गुरुवार को हालांकि नीदरलैंड को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) की पिच पर भारत के दमदार बल्लेबाजों का सामना करना पड़ेगा। एससीजी की पिच पारंपरिक रूप से बल्लेबाजों के अनुकूल रही है और यहां शॉट खेलना आसान होता है।

न्यूजीलैंड ने एससीजी में अपने पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 200 रन बनाए थे और भारतीय टीम भी टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करना पसंद करेगी। पहले बल्लेबाजी करने से राहुल जैसे बल्लेबाजों को लय हासिल करने और दक्षिण अफ्रीका की चुनौती के लिए तैयार होने का मौका मिलेगा। गेंदबाजी कोच पारस म्हांब्रे ने बुधवार को पुष्टि की कि नीदरलैंड के खिलाफ भारत उसी एकादश को उतारेगा जो रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ खेली थी।

गेंदबाजी कोच ने मैच की पूर्व संध्या पर कहा कि हम किसी को आराम नहीं दे रहे। जब आपको टूर्नामेंट में लय मिल जाती है तो आप चाहते हैं कि व्यक्तिगत खिलाड़ी भी लय में रहें, इसलिए प्रत्येक मैच महत्वपूर्ण बन जाता है। म्हांब्रे ने कहा कि ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या फिट हैं और स्वयं भी सभी मैच खेलना चाहते हैं। पाकिस्तान के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय पारी के अंतिम ओवरों के पंड्या के पैर में जकड़न की समस्या हो

गई थी। उन्होंने कहा कि वह ठीक है, खेलने के लिए फिट है। हम उसे आराम देने पर विचार नहीं कर रहे। वह स्वयं भी सभी मैच खेलना चाहता है। वह महत्वपूर्ण खिलाड़ी है और टीम को संतुलन देता है। हां, विराट (कोहली) ने मैच खत्म किया लेकिन हमें अनुभवी खिलाड़ी की जरूरत है जिसे पता हो कि मुकाबला करीबी होने पर क्या हो सकता है।

फीडे महिला कैंडिडेट क्वाटर फाइनल - कोनेरु हम्पी की बेहतरीन जीत ,देश को दिया दिवाली का तोहफा

मोंटी कार्लो, मोनोको। दिवाली के अगले दिन शुरू हुई फीडे महिला कैंडिडेट टूर्नामेंट के पूल ए में भारत की शीर्ष खिलाड़ी ग्रांड मास्टर कोनेरु हम्पी नें उक्रेन की बेहतरीन जीत से एना मुजयचूक को पराजित करते हुए शुरुआत की है । क्वाटर फाइनल में चार क्लासिकल मुकाबलों के आधार पर विजेता खिलाड़ी को आगे बढ़ना है । पहले राउंड में कोनेरु हम्पी नें सफ़ेद मोहरो से उक्रेन की एना मुजयचूक के खिलाफ क्यूजीए ओपनिंग में राजा पर जोरदार आक्रमण करते हुए सिर्फ 24 चालों में जीत दर्ज करते हुए 1-0 की बढ़त कायम कर ली है और अब बचे हुए तीन मुकाबलों में अगर हम्पी 1.5 अंक बना लेती है तो वह सेमी फाइनल में पहुँच जाएंगी । दूसरे क्वाटर फाइनल में चीन की ग्रांड मास्टर लेई टिंगजे नें उक्रेन की ग्रांड मास्टर मारिया मुजयचुक के खिलाफ जीत से शुरुआत की है । लेई नें सफ़ेद मोहरो से स्लाव ओपनिंग में 53 चालों तक चले एंडगेम में मारिया को हराया । और अब जब हम्पी और लेई नें सेमी फाइनल के तरफ कदम बढ़ा दिये है देखना है मुजयचूक बहने कैसे वापसी करती है।

यह कैसा न्यू इंडिया, झूठ को सच बना कर परोसा जा रहा : खड़गे

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेन्सी)। कांग्रेस के नए अध्यक्ष का कार्यभार संभालने के बाद मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, यह कैसा न्यू इंडिया है? जिसमें रोजगार नहीं मिल रहा है, किसानों को जीप से कुचला जा रहा है। सभी सरकारी जगहों को बेच अपने कुछ दोस्तों को दिया जा रहा है। शिक्षा महंगी हो रही है, सरकार सो रही है। ईडी-सीबीआई दमन के लिए 24 घंटे काम कर रही है और दलितों, अल्पसंख्यकों को अपमानित किया जा रहा है।

कांग्रेस के नए अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को सोनिया गांधी और राहुल गांधी सहित अन्य पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में पदभार ग्रहण किया।

पद संभालते ही उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं को साफ कर दिया की हम 'डरो मत' की राह पर चलेंगे। राहुल गांधी लोकसभा में इसका जिक्र कर चुके हैं। इसके साथ ही अध्यक्ष पद संभालते ही उन्होंने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, कौन जानता था कि देश की राजनिति में झूठ का बोलबाला होगा। न्यू इंडिया में झूठ को सच बनाया जा रहा है। गोडसे को देशभक्त और गांधी को गाली दी जा रही है। कांग्रेस ऐसा नहीं होने देगी, हम लड़ते रहेंगे। न्यू इंडिया बनाने के लिए वो कांग्रेस मुक्त भारत चाहते हैं, लेकिन हम उनको ऐसा नहीं करने देंगे, झूठ फरेब और नफरत का ये तंत्र हम तोड़ कर रहेंगे।

यह कैसा न्यू इंडिया है? जिसमें रोजगार नहीं मिल रहा है, किसानों को जीप से कुचला जा रहा है। सभी सरकारी जगहों को बेच अपने कुछ दोस्तों को दिया जा रहा है। शिक्षा महंगी हो रही है, सरकार सो रही है। ईडी-सीबीआई दमन के लिए 24 घंटे काम कर रही है और दलितों, अल्पसंख्यकों को अपमानित किया जा रहा है।

इसके साथ ही उन्होंने राहुल गांधी की तारीफ करते हुए कहा, राहुल गांधी की जितनी तारीफ की जाए कम है, वो भारत जोड़ो में जिस तरह से संवाद कर रहे हैं वो पार्टी के लिए बड़ी उपलब्धि है। इस सरकार के खिलाफ बोलने वाले सभी लोगों को साथ लेकर चलूंगा। 137 वर्षों से कांग्रेस हर देशवासी के जीवन का हिस्सा रही है। लेकिन मतदाता हमसे कुछ रूठ गए हैं, राहुल जी ने इस बात को समझा और यात्रा पर निकल पड़े हैं। यात्रा में राहुल लोगों का दुख और दर्द को समझ रहे हैं और लोगों से मिल रहे हैं।

इस देश के करोड़ों युवाओं को शांति, विकास और रोजगार चाहिए, उनके लिए हम लड़ेंगे।

उदयपुर में लिए गए संकल्पों को पूरा किया जाएगा। संगठन में 50 साल से कम उम्र के लोगों को तरजीह दी जाएगी।

खड़गे ने इसे अपने लिए यह एक भावुक छण बताया और अभी तक कांग्रेस के सभी अध्यक्षों की परम्परा को भी आगे बढ़ाने का भरोसा दिलाया है।

उन्होंने सोनिया गांधी के पार्टी में त्याग को भी याद करते हुए कहा, एक मजदूर के बेटे को एक सामान्य कार्यकर्ता को पार्टी के सबसे बडी जिम्मेदारी दी गई है। कांग्रेस के सभी अध्यक्षों की परंपरा को आगे बढ़ाऊंगा। देश को बनाने में जो कांग्रेस का योगदान है, उसकी रक्षा करना मेरा काम है। मैं अपनी तरफ से पूरी कोशिश करूंगा और आपका सहयोग लेता रहूंगा।

सोनिया गांधी के त्याग का दूसरा उदहारण मिलना मुश्किल है। आरटीआई से लेकर मनरेगा स्कीम तक सभी आपके अध्यक्ष रहते और मनमोहन सिंह के पीएम रहते हुए हैं।

इस दौरान सोनिया गांधी ने भी अपने सम्बोधन में कहा, कांग्रेस नए अध्यक्ष खड़गे जी व अन्य नेताओं को धन्यवाद करती हूं। मैं प्रसन्न हूं, खड़गे जी अनुभवी और धरती से जुड़े नेता है। अपनी लगन से वह इस ऊंचाई तक पहुंचे हैं, उनसे पार्टी को प्रेरणा मिलेगी और उनके नेतृत्व में कांग्रेस मजबूत होगी।

मैं इसलिए राहत महसूस कर रही हूं, क्योंकि आपने इतने वर्षों तक ख़यार दिया, सम्मान दिया, यह मेरे लिए गौरव की बात है। इसका एहसास जीवन की आखीरी सांस तक रहेगा। खड़गे जी के ऊपर यह जिम्मेदारी आ गई है।

उन्होंने आगे कहा, परिवर्तन संसार का नियम है। ये जीवन के हर क्षेत्र में होता है। आज हमारी पार्टी के सामने बहुत सारी चुनौतियां हैं। सबसे बड़ी चुनौती देश के सामने लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए खतरा बना है उसका मुकाबला कैसे करें?

कांग्रेस के सामने पहले भी बड़े संकट आए हैं। लेकिन हमने हार नहीं मानी। मैं मलिकार्जुन खड़गे का स्वागत करती हूं। इससे पहले खड़गे ने राजघाट पर महात्मा गांधी, शांति वन में जवाहरलाल नेहरु व शक्ति स्थल पर इंदिरा गांधी तथा वीर भूमि पर जाकर राजीव गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित सहित समता स्थल पर स्वतंत्रता सेनानी और दलित नेता जगजीवन राम को पुष्पांजलि अर्पित की।

नोटों पर छापी जाए लक्ष्मी, गणेश की तस्वीर : केजरीवाल

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेन्सी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का कहना है कि देवी देवताओं का आशीर्वाद मिले तो प्रयास फलीभूत होते हैं। इसके साथ ही उनकी मांग है कि देश को विकसित बनाने के लिए भारतीय नोटों पर लक्ष्मी और गणेश की तस्वीरें लगाई जाएं।

इस विषय पर मंगलवार को केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री से मेरी अपील है कि भारतीय करेंसी के ऊपर गणेश और लक्ष्मी जी की तस्वीर लगाई जाए। नोट पर दूसरी ओर गांधी जी की जो तस्वीर है उसे वैसे ही रहने दिया जाए। अरविंद केजरीवाल का कहना है कि लक्ष्मी को समृद्धि की देवी माना गया है और गणेश विघ्नों को हारने वाले देवता माने जाते हैं, इसलिए इन दोनों की तस्वीर भारतीय नोटों पर लगनी चाहिए। केजरीवाल ने कहा कि हम यह नहीं कह रहे हैं कि दोबारा से सभी नए नोट छापे जाएं, लेकिन जो हर महीने नए नोट छपते हैं उन नए नोटों के ऊपर लक्ष्मी और गणेश की तस्वीर छापी जानी चाहिए और धीरे-धीरे करते हुए काफी मात्रा में लक्ष्मी और गणेश की तस्वीर वाले नोट आ जाएंगे।

किसी अन्य मजहब के लोगों के द्वारा आपत्ति किए जाने के विषय पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का कहना है कि अगर इंडोनेशिया में नोट के ऊपर गणेश जी की फोटो लगाई जा सकती है तो भारत में क्यों नहीं लगाई जा सकती। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का कहना है कि आरोप लगाने वाले तो 100 आरोप लगाएंगे उन्हें आरोप लगाने दीजिए। केजरीवाल ने कहा कि वे इस विषय पर केंद्र सरकार को एक चिट्ठी भी लिखेंगे और इस चिट्ठी में यह मांग दोहराई जाएगी।

केजरीवाल का कहना है कि देश में अर्थव्यवस्था की स्थिति अच्छी नहीं है। भारतीय अर्थव्यवस्था काफी नाजुक दौर से गुजर रही है हम सब लोग देख रहे हैं कि डॉलर के मुकाबले रुपया दिन प्रतिदिन कमजोर होता जा रहा है। इसकी मार हमारे देश के आम आदमी को भुगतनी पड़ रही है।

आजादी के 75 साल बाद भी भारत एक गरीब देश है। हम चाहते हैं कि भारत एक विकसित देश बने, एक अमीर देश बने। इसके लिए बहुत सारे कदम उठाने की जरूरत है। हमें बड़ी संख्या में स्कूल खोलने हैं बड़ी संख्या में अस्पताल बनाने हैं। बहुत बड़े स्तर पर बिजली एवं अन्य ढांचागत सुविधाओं को तैयार करना है।

केजरीवाल का कहना है कि प्रयास तभी फलीभूत होते हैं जब हमारे ऊपर देवी देवताओं का आशीर्वाद

होता है। हम कई बार देखते हैं कि हम प्रयास करते हैं लेकिन नतीजे नहीं आते। उस वक्त लगता है कि अगर देवी देवताओं का आशीर्वाद हो तो प्रयास फलीभूत होने लगते हैं। 2 दिन पहले दिवाली थी। दिवाली पर हम लोगों सभी लोगों ने अपने घर पर श्री लक्ष्मी और गणेश जी का पूजन किया। हम सब लोगों ने अपने देश और समाज की समृद्धि के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

हम देखते हैं कि जितने भी व्यापारी और बिजनेसमैन उद्योगपति हैं सब लोग अपने अपने यहां अपने कमरे में जरूर लक्ष्मी जी की और गणेश जी की मूर्ति लगाकर रखते हैं। रोज सुबह काम शुरू करने से पहले उनकी पूजा करते हैं। प्रधानमंत्री से मेरी अपील है कि भारतीय करेंसी के ऊपर श्री गणेश और लक्ष्मी जी की तस्वीर लगाई जाए। नोट पर दूसरी ओर गांधी जी की जो तस्वीर है उसे वैसे ही रहने दिया जाए।

अरविंद केजरीवाल का कहना है कि लक्ष्मी को समृद्धि की देवी माना गया है और गणेश विघ्नों को हारने वाले देवता माने जाते हैं, इसलिए इन दोनों की तस्वीर भारतीय नोटों पर लगनी चाहिए।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इंडोनेशिया में मुस्लिम आबादी अधिक है वहां केवल 2 प्रतिशत हिंदू हैं लेकिन उन्होंने भी अपने नोट के ऊपर गणेश जी की तस्वीर छापी हुई है। इसलिए मैं समझता हूं कि यह एक बहुत अहम कदम है जो कि केंद्र सरकार को उठाना चाहिए।

केजरीवाल ने कहा दिवाली पूजन के दौरान मेरे मन के अंदर भाव आया कि अगर भारतीय करेंसी पर गणेश और लक्ष्मी जी की तस्वीर लगाएं तो हमारे प्रयास को फलीभूत होंगे।

राम रहीम को मिली पैरोल पर बोले मनोहर लाल, कहा- इसमें मेरी कोई भूमिका नहीं

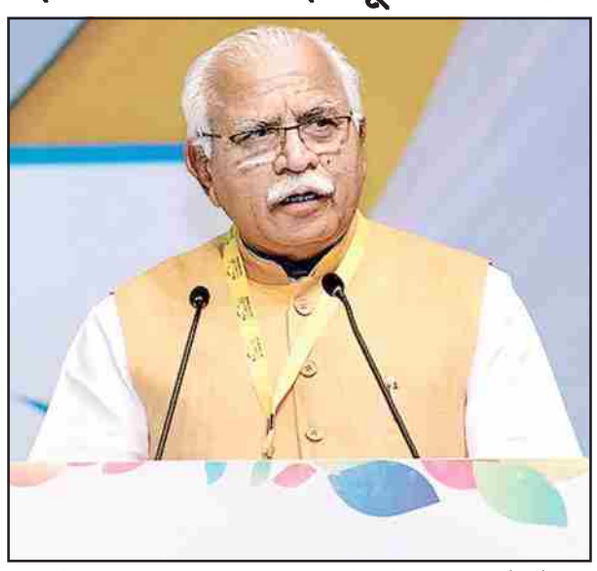

हरियाणा, 26 अक्टूबर (एजेन्सी)। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को मिली पैरोल पर हरियाणा के सीएम मनोहर लाल ने कहा कि मैं इस बारे में कुछ नहीं कहना चाहता, इसमें मेरी कोई भूमिका नहीं है। अदालतें कारावास की सजा देती हैं और एक दोषी जेल जाता है। उसके बाद जेल के नियम सभी कैदियों पर लागू होते हैं।

गौरतलब है कि डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम दुष्कर्म व हत्या के मामलों में उम्रकैद की सजा काट रहा है। वह कुछ दिन पहले ही 40 दिन की पैरोल पर जेल से बाहर आया है और इस समय बरनावा के आश्रम में रह रहा है। गुरमीत राम रहीम यहां से रोजाना करीब दो-तीन घंटे ऑनलाइन प्रवचन करता है।

खास बात यह है कि बरनावा सच्चा सौदा आश्रम पहुंचते ही डेरा प्रमुख गुरमीत सिंह लाइव हो गया। उसने सोशल मीडिया पर लाइव आकर अपने अनुयायियों को संदेश दिया है। सोशल मीडिया के जरिए उसने सभी अनुयायियों को बधाई दी और अनुशासन बनाए रखने की अपील की। उसने अपने अनुयायियों से कहा कि किसी भी तरह की भगदड़ नहीं करनी है।

त्रिपुरा पहुंचे महेश शर्मा, 28 अक्टूबर से शुरु होगा बीजेपी का बूथ विजय अभियान

अगरतला, 26 अक्टूबर (एजेन्सी)। अगले वर्ष त्रिपुरा में होने वाले चुनाव को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा ने सरगर्मियां तेज कर दीं हैं। इस बीच, बुधवार को राज्य प्रभारी सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा त्रिपुरा पहुंचे। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को त्रिपुरा भाजपा का 'बूथ विजय अभियान' शुरू होने वाला है, जिसकी शुरुआत महेश शर्मा करेंगे।

जानकारी के मुताबिक बुधवार शाम को महेश शर्मा त्रिपुरा पहुंचे। यहां पर उनका स्वागत किया गया और इसके बाद उन्होंने कई वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की। महेश शर्मा देर शाम तक पार्टी के नेताओं से मिलते रहे और माहौल को जानने का प्रयास किया। उन्होंने खुद ट्वीट करके इसकी जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि त्रिपुरा पहुंचने के बाद वे वी.सतीश प्रदेश अध्यक्ष, राजीव भट्टाचार्य महामंत्री संगठन सहित प्रदेश उपाध्यक्ष

अमित रक्षित व श्रीमती मौसमी दास और अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से मिले। इस दौरान उन्होंने अब तक की गई तैयारियों और आगामी तैयारियों को लेकर बातचीत की। उल्लेखनीय है कि राज्य प्रभारी बनने के बाद यह शर्मा का दूसरा दौरा है।

त्रिपुरा भाजपा 28 अक्टूबर यानि शुक्रवार से पूरे राज्य में बूथ विजय अभियान की शुरुआत करने जा रही है। इसके तहत प्रदेश तीन हजार बूथों पर यह अभियान शुरू किया जाएगा। भाजपा सूत्रों के मुताबिक इस दौरान पार्टी लोगों के सामने पिछले चार वर्षों में किए गए काम का हिसाब-किताब रखेगी। मुख्यमंत्री पहले भी कहते रहे हैं कि हम अपने चार वर्षों के कार्यकाल का हिसाब जनता के सामने रखेंगे। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है सरकार के काम को जनता तक पहुंचाना। राज्य के अंतिम व्यक्ति तक सरकार के कामों की जानकारी पहुंचे, इसके लिए राज्य स्तरीय वरिष्ठ नेताओं को इसमें लगाया गया है।

सूत्रों के मुताबिक इस अभियान के बाद कई अन्य अभियान चलाए जाने हैं, जो नवंबर में कई केंद्रीय नेताओं के त्रिपुरा पहुंचने के बाद शुरू किए जाएंगे।

अनिल देशमुख पहुंचे बॉम्बे हाईकोर्ट, सीबीआई कोर्ट के फैसले को दी चुनौती

मुंबई, 26 अक्टूबर (एजेन्सी)। 100 करोड़ रुपये की वसूली मामले में महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने विशेष सीबीआई अदालत द्वारा उनकी जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया है। याचिका पर सुनवाई 11 नवंबर को होगी।

इससे पहले मुंबई की एक विशेष अदालत ने पूर्व मंत्री अनिल देशमुख को जमानत देने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाले वित्तीय अपराध पर गंभीरता से गौर किया जाना चाहिए। राकांपा नेता देखमुख को दो नवंबर 2021 को गिरफ्तार किया गया था। वह न्यायिक हिरासत में हैं। उन्हें फिलहाल कोरोनरी एंजियोग्राफी के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सीबीआई की विशेष कोर्ट ने कहा था कि जांच ने बार मालिकों

से धन एकत्र करने और देशमुख को पूर्व सहयोगी कुंदन शिंदे के माध्यम से पहुंचाने के तथ्य को स्थापित किया था। वह भी इस मामले में एक आरोपी है। कोर्ट ने कहा था कि मौजूदा मामले में अब तक यह स्पष्ट है कि राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाली एक बड़ी राशि शामिल है। राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाले इस तरह के वित्तीय अपराध पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

दरअसल, मार्च 2021 में वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी परमबीर सिंह ने आरोप लगाया था कि महाराष्ट्र के तत्कालीन गृहमंत्री देशमुख ने पुलिस अधिकारियों को मुंबई में रेस्त्रां और बार से प्रति माह 100 करोड़ रुपये इकट्ठा करने का लक्ष्य दिया था। उद्योगपति मुकेश अंबानी के आवास 'एंटीलिया' के बाहर एक वाहन में विस्फोटक सामग्री मिलने के मामले में गिरफ्तार वाजे ने भी उनके खिलाफ इसी तरह के आरोप लगाए थे।

भूमि पर कब्जा करने वालों की अब खैर नहीं : सीएम योगी

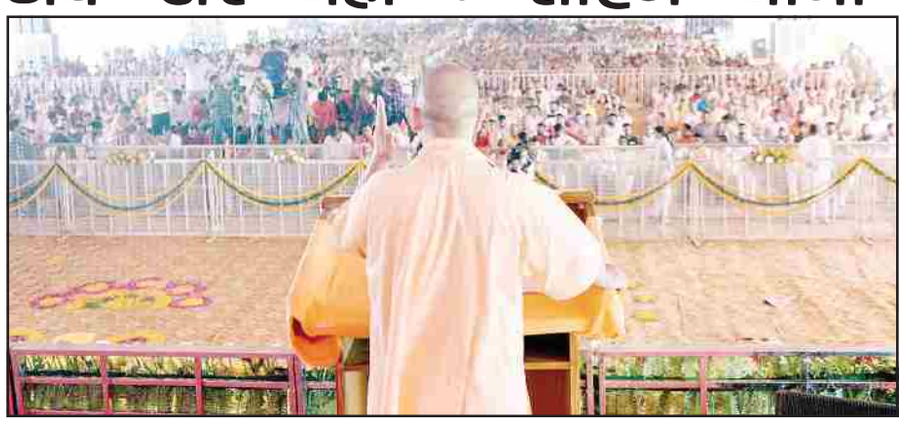

गोरखपुर, 26 अक्टूबर (एजेन्सी)। यूपी में जमीन पर कब्जा करने वालों की अब खैर नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भूमि पर कब्जा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए है। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि भूमि कब्जाने में पेशेवरों को भूमाफिया चिह्नित कर सख्त कार्रवाई करें। साथ ही अफसरों से कहा कि भूमि विवाद के मामलों का शीघ्र निस्तारण किया जाए। इस दौरान फरियादियों की संतुष्टि को ध्यान दिया जाए।

योगी ने ये निर्देश बुधवार की सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी गरीब की या सरकारी भूमि पर कब्जा नहीं होना चाहिए। यदि कोई गरीब सरकारी जमीन पर रह रहा है तो उसे शासन की कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित कर उसके पुनर्वास की व्यवस्था की जाए।

गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए फरियादियों तक मुख्यमंत्री खुद गए और एक-एक कर सभी की समस्याएं सुनीं। कुछ महिलाओं ने भूमि से जुड़े विवादों में फरियाद सुनाई। कुछ की शिकायत थी कि दबंग उनकी भूमि पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं।

इस तरह की शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कार्रवाई करने का निर्देश दिया। भूमि कब्जाने में पेशेवर प्रवृत्ति वालों को भू-माफिया चिह्नित कर सख्ती दिखाने को कहा। उन्होंने कहा कि किसी गरीब की भूमि पर कब्जा करने वालों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई करें जो नजीर बने।

योगी ने यह भी कहा कि यदि कहीं कोई गरीब सरकारी भूमि पर रह रहा है तो उसके समुचित पुनर्वास के बाद कब्जा खाली कराया जाए। मुख्यमंत्री ने करीब 250 लोगों की समस्याएं सुनीं और सभी को आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है। सभी मामलों में कार्रवाई होगी।

मुख्यमंत्री ने पुलिस से जुड़ी शिकायतों को पुलिस अधिकारियों और राजस्व आदि से जुड़े मामलों को प्रशासनिक अधिकारियों को इस निर्देश के साथ सौंपा कि समय से गुणवत्तापूर्ण समाधान करा दिए जाएं। गंभीर बीमारियों में इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे लोगों को उन्होंने आश्वस्त किया कि पैसे की तंगी से किसी का भी इलाज नहीं रुकने दिया जाएगा।

उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिया कि संबंधित मरीज के इलाज संबंधी इस्टीमेट की प्रक्रिया को पूर्ण कर इसे जल्द से जल्द शासन को उपलब्ध कराया जाए। इस्टीमेट मिलते ही इलाज के लिए धन अवमुक्त हो जाएगा। जनता दर्शन के दौरान फरियादियों संग पहुंचे उनके बच्चों को मुख्यमंत्री ने ख़यार-दुलार और आशीर्वाद देते हुए चॉकलेट दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार की सुबह एक बार फिर संवेदनशीलता दिखाई। सीएम योगी ने पैरालिसिस के गंभीर रोग से पीड़ित छोटे काजीपुर तुरहा चौराहा निवासी दिलीप शाह को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी। उन्हें गोरखनाथ मंदिर में सहायता राशि का चेक प्रदान किया। मुख्यमंत्री के हाथों सहायता राशि प्राप्त करने के बाद दिलीप शाह भावुक हो गए।

उन्होंने कहा कि सीएम ने उनकी सभी चिंताएं दूर कर दी हैं। मुख्यमंत्री ने दिलीप शाह को यह भी भरोसा दिलाया कि सरकार उनके इलाज में धन की कमी आड़े नहीं आने देगी। जितनी भी धनराशि की आवश्यकता होगी, उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह भी मौजूद रहे।

डियर साप्ताहिक लॉटरी अलीपुरद्वार निवासी ने ₹1 करोड़ जीते

अलीपुरद्वार, पश्चिम बंगाल के श्री सत्य सरकार ने **18.08.2022** को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नम्बर **34B 48880** है। "मैं जीवन में काफी भाग्यशाली हूं क्योंकि मैंने डियर लॉटरी की एक करोड़ रुपए पुरस्कार राशि जीती है। मौजूदा समय में जीवन यापन काफी मुश्किल हो गया है। जीवन में हर एक लक्ष्य के लिए पैसों की आवश्यकता है, इसलिए हमारे आय और व्यय में संतुलन रखना महत्वपूर्ण है। अब मैं ऋण मुक्त हो जाऊंगा, मैं अपने परिवार के जीवन स्तर में सुधार और उन्हें श्रेष्ठ प्रदान करने के बारे में सोच पाऊंगा। इस अवसर के लिये मैं डियर लॉटरी तथा नागालैंड स्टेट लॉटरीज के प्रति मेरा आभार व्यक्त करना चाहता हूँ।" विजेता ने कहा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्टो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com